

114252

50908

50908

सीन्दू चरुहरी (सटीक)

विष्णु - (समचन्द्र)

श्रीगुरुवेमिदं नमः ॥

श्रीगुरुमय नमः ॥ ॥ श्रीगुरुदेव भिक्षुमयि नमः ॥ ॥ ॐ ॥
ॐ वरं वरं भगवन् भिक्षुभापः महे परिभूषितं ॥ द्वां द्वां भल
पले परिगते देवदत्त वीरं द्वां ॥ शुभांती पुराते विलेख एव
री भगवन् यय धिं करे ॥ एव एव भिक्षु पूक मित्र रुचः पाय द्वा
भाय द्वाकः ॥ ० ॥ ॐ कल्लो देव लक्ष्मण भूरा मल मकर
भक्त प्रीति ॥ केवन् कय द्वा एव एव ती पुरा द्वा क द्वा द्वा
भा ॥ भवत्तु मयि मयि भिक्षु भागवत्तु वरु द्वा भा ॥

श्रीः

उभूभृणभंभिउंउरियनंमभ्रवभ्रनंरुणे ॥ ३ ॥ ॐ पू० भृ
 मङ्कगमाद,म ॥ १० भूभृद्वयभा ॥ सुतलदगीभेउंविभ्र
 पद्धेपिलद्वये ॥ ॥ ॐ उउरुवारीपद्धे ॥ नरुदरिदगविगिद्ध
 नि ॥ नवव,रुभपाभृ ॥ किभिउिकट्टयनीभुडे ॥ गमा० भिउि
 मिष्टमङ्कभपविरीधुगद ॥ ॥ ॥ ॥ ॐ मिवः मङ्कयउेयदि
 रुवउिमङ्कः पूरुविउं ॥ नमेवेवेरापलकुमलः भृदिउम
 पि ॥ सुतभृभागापुंरुदरिदगविगिद्धनिठिगपि ॥ पू० उंभेउंर

॥ श्रीः ॥

कषभरुतपुष्टः पूरुवति ॥ ० ॥ मिवः कल्लुपुपभममि
वः ॥ श्रविष्टः उद्धेपातिउए मभम ॥ ५ ॥ नेकलेमउपाभ
झलरदिउद्धाउ ॥ महुककुभककुभटषाककु ॥ महुः वि
गु ॥ ५ ॥ कपूरुष्टः विष्टः ५ ॥ रराभणयया ॥ यदियुक्तः ५
विष्टुकेरुवति ॥ उमपूरुविउं ॥ पूकुउं ॥ विणउं मऊः ॥ भमऊ
रुवति ॥ भुष्टुमिकदे, नगदलक्ष ॥ यद्धगं ॥ उउमऊकेरु
वति ॥ श्रविष्टवच्छिन्नभैववृद्ध ॥ एगविमले ॥ मऊइमि

॥ श्रीः ॥
॥ भो ॥ टी ॥
॥ ७ ॥

। श्रीः । श्रीः

तिष्ठ वः॥ नवभुतः॥ पूयै एत नव वः॥ इषं उष्टु भुष्टु मे पूवः॥
तिष्ठित उष्टु रु॥ मे व॥ ७ ति॥ मीष्ट ति मीष्ट ति॥ ७ ति मे वः॥ उषम
मीष्ट उमेव पूव उते नगवः॥ भुष्टु मे॥ नपनः पूयै एत नभमि
ष्टु ति॥ रुवः॥ नमै मे वं॥ उय मे न यकुः॥ उम॥ भुष्टु ति॥ मलि उम
पि॥ न उम लेन कृमः॥ उष्टु भुष्टु॥ निष्कृम कृमि ति॥ उष्टु उम
मकु विन मि वे भुष्टु॥ नभम भन विष्टु ते॥ ७ ति॥ एते न॥ निनु
७ भुष्टु भुष्टु कृम कृम॥ सु७ उय उम कृम य नग रु प वे कृ॥

॥ श्रीः ॥

ॐ मवेम डिभते ॥ अटभतेपि ॥ पंडुपभु ॥ मिबभु ॥ रुवानीडुप
मडिभंयेगादेव ॥ एगकडुइं ॥ राटवेडुं ॥ डेरममिवः ॥ मिबम
वः ॥ मडाएकगे ॥ अकगेकगडुकेर ॥ यमिबुकेरुवडि ॥ उमपू
रुविउं ॥ भुकदं ॥ रुगवरूपभुडि ॥ कडुं ॥ मकेरुवडि ॥ नमेरेवंमेवः
उमभयि ॥ उमपि ॥ उधूपएविठगभपि ॥ कडुं ॥ मकः ॥ मकगवक
गयेः ॥ विभुगयेः ॥ उच्चगयि ॥ उममकडुइं ॥ अडाव ॥ मडावि
मिवेभुके ॥ राभाभ ॥ रविहते ॥ उडइ ॥ राभपमभरसुदभा ॥ उ

॥ श्रीः ॥
॥ भे ॥ ए ॥

॥ ३ ॥

॥ श्रीः ॥

ऊकप्रद्वपामपाउं॥ स्वषयामिवः॥ ककगामि द्वाकगउः॥ पंम
डिमद्वलऊकः॥ महु॥ स्वकगामि विभजउधेरुमभृगउपयय
ऊ॥ यमि॥ उमपूरुविउं॥ वेममि ऊपउय॥ वृत्तीरुविउं॥ मऊेरु
वडि॥ नमेमेवं॥ उमभयमि उभापि॥ उल्लेधूपएभयमभापि॥ कउंर
ऊमलः॥ रद्वमः॥ उरुऊंमी॥ मगमयं॥ विरभृभुनटेपं॥ एय
उवृत्तिगउभा॥ मिवमडिभयंभुभा॥ इलचूऊमंरीधि॥ ॐ
डिभाऊकऊमयेपि॥ ककगामि द्वाकगउ॥ वलभुमिवऊपि॥ ॥

। श्रीः ।

ममभुष्टुमुकुपे ॥ पडिम उडविगुरुः ॥ सकगमि विमज'तुः ॥
भुग'ष्टेरुममकुयः ॥ निष्ट'ष्टेरुमक'डु'रः ॥ परम्परमभायुतः ॥
मिदमक्तिभया बलः ॥ मरु'कुपुतिपामकः ॥ मिरे'भुरः पर
णीने नभुतुतः कदमर ॥ भुग'भुतुतु'एय'ते ॥ नमिदभु'कदम
नेति, नषव, मिरे'कुरः मकु, व'ल'डु, डीयरी'ए'कुपयः न
र'पु'भाम'पर'भ'डु'दुरः ॥ पूरुवि'डु, भ'डु'कुप'डु, ग'डु, भ'प'डु, डु'डु
धु'प'ए'वि'रु'गं'क'डु'भि'डु'डु, य'डु, मिरे'चि'डु, म'कु'वि'भ'ने'ल'डु, डु'न

। श्रीः ।
भो ॥ ए

॥ मः ॥

नउमभउउऊः॥उऊऊम॥मिवरुपू॥अरुंविम्विभनभू
भावर्येदेगउःपरः॥पूकमपाभाऊइऊरउलदगीयउः॥मिव
उरउगाष्टेयं॥वल्लेवल्लेपूउउउउति॥येगिरीरुमयेपि॥मुट
कगविभनउउविम्विपूभंविमः॥पूकमपाभाऊइऊरउ
लदगीयउउ॥पूभउंविम्वलदगीभाऊभूरउयइकभिडि॥
उरमऊःपूविउभिउपिष्टाष्टउभा॥अषर॥मिवेदकरः॥मउपु
कगलेति॥मृदुगवगुमिरीभउउऊः॥अरुंनउलेमस॥विम्व

। श्रीः ।

शुद्धिनीभउडि॥ विष्टा पूक मिरी वमराउ॥ अषरा॥ मैवपदोदू
रैयं यषा॥ मिवः मिवमवः॥ महुा पको॥ रमः॥ पदे रमयुक्तः
मिवः मक्ति कभ॥ उहाम वेकगभु॥ पू॥ वैवीराभाष्टु॥ रमः म
क्तिरमीगिउहामे॥ रमः॥ पमभु॥ मक्ति पमभु इपूडिपामराउ॥ प
को॥ मउउकवमरे रे॥ उहभेक्तिः॥ रकगलेपाउ॥ पूठविउं
भउउये॥ कौपूमिठलंमउं॥ रमेमेवभिहामे॥ पूडिपमिक
भाउभु॥ भउउपाउठवेर॥ यकिष्ठिठलमरेपि॥ अमभउ॥ उह॥

॥ श्रीः ॥

ऊँ ह्रीं यः॥ यतः॥ मि वभुः पि॥ भा भक्त पूरु वती॥ अत दे उ भुं प
तुं भुं उं वः, रुत पृष्टे, न पान्ति उ भरुतः॥ कषं पूरु वति, भभं उं रु वति,
न के वलं॥ पं म रू द्वा उ ज उ भ म मि व भु व॥ इ इ प द्वा उः पि उ रू द्वा
उ म भु पी टा द रु रि द ग वि गि द्वा मि रि ग पि॥ वि द्वा मि व रू द्वा मि
रि ग पृ ग पृ भ न्नी यं॥ ७३ उः॥ प म मि इ द्वा ग रि पू यं
ये र्ण नी य मि मं पं हं॥ यषा॥ द्वितीया रे॥ अत भु॥ सुभा सुग पृ मि उ
प म भुः॥ उ र मि वः म इ रि वः॥ प म भु॥ सुभा सुद्वे॥ प म

॥ श्रीः ॥

ऊँ ह्रीं यः॥ यतः॥ मि वभुः पि॥ भा भक्त पूरु वती॥ अत दे उ भुं पृ
तुं भुं उं व, रुत पृष्टे, न पालि उभरुतः॥ कषं पूरु वति, भभं उं रु वति,
न के वलं॥ पंम रू द्म उज उभम मि वभुं व॥ इ इ पं दित उ, पि उ, रू द्म
उम भु पी टा द रु रि द ग वि गि द्म मि ठि ग पि॥ विष्णु मि वरू द्म मि
ठि रू द्म गृ ष्टा भन नी यं॥ ७३ उः॥ पं मा मि इ द्म ग रि पू यं
ये रू नी य मि रं पं दं॥ यषा॥ द्विती या रे॥ अत भु॥ सुभा सुगृ ष्टा मि डि
पंम सुदः॥ उर मि वः म द्म ठि वः॥ पं मा द्म, सुभा, सुद रे॥ पंम

। श्रीः ।

कीएन॥ महु॥ उवने सुगीगीएन॥ दरिदर विरिद्ध मिदिः॥ के॥
यमि यऊ॥ ७३३॥ य॥ दरिपमेर॥ उ॥ दृग्गु॥ दरिपमेर॥ गे॥ दृग्गु॥ विरि
द्धिपमेर॥ क॥ क॥ ग॥ भे॥ किः॥ वै॥ प॥ गी॥ टे॥ न॥ ये॥ ए॥ नी॥ ये॥ उ॥ म्नी॥ ए॥ ट॥ भा॥ मि॥ डि॥
व॥ यं॥ उ॥ पं॥ म॥ म॥ मी॥ वि॥ ह॥ उ॥ न॥ उ॥ भ॥ प॥ वी॥ ए॥ इ॥ क॥ भ॥ प॥ भ॥ डी॥ वी॥ ए॥ भ॥ च॥ उ॥
डि॥ मि॥ व॥ उ॥ डि॥ मि॥ वे॥ द॥ क॥ रः॥ म॥ हु॥ भ॥ क॥ गे॥ दरिदर विरिद्ध मि
दिः॥ ल॥ क॥ ग॥ द॥ क॥ ग॥ क॥ गे॥ वै॥ प॥ गी॥ टे॥ न॥ य॥ मि॥ य॥ उ॥ म॥ उ॥ म॥ डि॥ य॥
के॥ उ॥ व॥ ने॥ सु॥ गी॥ पू॥ उ॥ उ॥ उ॥ उ॥ य॥ दृग्गु॥ भ॥ क॥ ल॥ मी॥ वि॥ ह॥ भ॥ उ॥ भ॥ ल॥ उ॥ उ॥

। श्रीः ।
। भे॥ ए॥
। ७ ।

॥ श्रीः ॥

खलु भक्तभक्तैर्दृष्टेः उल्लेखः ॥ यथा ॥ मित्रैर्दृष्टः ॥ मन्त्रभक्त
गैः ॥ एकैर्गैः ॥ दारिद्र्यविशिष्टमिच्छिगपि ॥ यन्मित्रैः ॥ दारिः
लकैः ॥ दारिद्र्यैः ॥ विशिष्टः ॥ ककः ॥ श्रद्धाविद्धविभक्तभुभि
इतैः ॥ सुमित्रैः ॥ गैः ॥ उद्युक्तैः ॥ नानाविद्धभ
इतभक्तैः ॥ मन्त्रभक्तैः ॥ नानाविद्धभक्तैः ॥ एक
भक्तैः ॥ मन्त्रभक्तैः ॥ नानाविद्धभक्तैः ॥ एक
मन्त्रभक्तैः ॥ मन्त्रभक्तैः ॥ नानाविद्धभक्तैः ॥ एक

[illegible]

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

॥ श्रीः ॥

ममष्टा । अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं । भक्तगोपालभक्तेश्वर ।
ॐ तिष्ठतुम् । अथवा । मिवमवेनेत्रभाषादिके मउधुयं ।
मक्तिमवेनेत्रभाषादिके पंमकभमुते । उरुयंभिलिङ्ग
मीमरं । यदुक्तं । मउतिः मिवमवेनेत्र । मक्तिमवेनेत्रपंमरिः
मिवमकुत्तकंल्लयं । मीमरं मिवयचपगिति । प्ररुविडं ।
भृष्टमिकुत्तं । मीमरं मवेनेत्रदि । भृष्टमिडिभंरुतयेरुवती
हृगभवामिहः । उरुत्तं कभिकयभा । इगभृष्टंभमेभि

॥ श्रीः ॥

णउवःमक्तिभ्रलकः॥भष्टुसुंरूप॥एणीवणउवःमिवभ्रल
कः॥नवणउगयंमेदे॥नवयैनिभभंरुव॥८८तिनवयैनिः॥श्री
मरुभा॥अषवाकममि॥हललिउपुंउपाठुपुविग
द॥वेगनमभभगभु॥मकरोद्वि॥वमंएगामिडि॥उउगण
वमनउ॥रुपुपि॥कट्टायनीकुपउउगउयपि॥विपु
पहेहउमः॥नरभीभंभकमिभउ॥एगइउगीसुगभु
श्रुवत्रिविधयेयंभुडिगिहमहपयनउं॥उरपदम

॥ श्रीः ॥

॥ श्रीः ॥

॥ ३ ॥

श्री

तिमिबुडि॥ भुभविहं वडिगसु उीडिमिवः॥ श्रीएष
प्रे॥ उडिण उः॥ विधुत्रभायेपदिउ मेउतुभेवेसुगडुता
मिवंशुगः महु मगीगल यमि वऊः भुता॥ उमपूठवि
उं॥ भुधुमिकडुमऊः भुता॥ उषम॥ किडमिकं भकडु
कंकदडु ऊएवता॥ उडुडुत्रभाने॥ उमवेमकभपातुं म
गीरणटु डेनेडुके॥ नमेमे वंमगीगघंके॥ नमे उम भपदिउ
भपिनऊमलः॥ मगीगडुडिगेके॥ प्पाएम वपि॥ नउभुनि

श्रीः

भित्तकगल्लुं॥ श्रुतं पाएमिकं॥ श्रिकमकभित्तुपिपा
भुं॥ श्रुतं यजे भुं॥ पू॥ भुं॥ भुं॥ वः दः उपष्टि॥ भीमं भकमिः
कषं पूरुवतिभभं उरुवति॥ सुं विभय॥ भभेणरेव॥ रुगिद
गविनिष्ठमिठिगपि॥ २॥ रुमिवरुदमिठिगपि॥ गपुम
भन्नरीय॥ दे॥ उति॥ रुगवउ॥ भेणरुम॥ ०॥ प्रचलेकेरुदम
उगभुपि॥ इ॥ पद॥ उति॥ रुगिदविगिंममिठिगपि
गपुमभिदुं॥ भामकेरुपूकगेले॥ उमद्वयभाद॥ ॥ ०॥

श्री
भे
ली

श्रीः

ॐ उरीयंभं पांभं उरुमगलं पङ्क नरु रुवं विगिद्धि भंमि
वविगमयडिलेकं न विकलभा वद डे नं मेरिः कषभपि
भरु मे मिगभं दगभं द्रु डै नं रुणडि रु भिडे कुलरवि
पिभा ॥ ३ ॥ उरीयंभं भुङ्कं उरुमगलं पङ्क नरु रुवं इय
रा भुण्डु उं पांभं पंम कु उगणः कं विगिमिः वद्रुभं
मिवन ॥ पकी उचर लेकं सु उरु म कुवर नि ॥ अ विकलेभ
भगरी वै कलु मरु उं यष भु उष विगमयडि ॥ भुण्डु ॥

ਸ੍ਰੀ:

ਰੰਪੰਘੰ ਮਤੁਰੁ ਸਤੁ ਰਤੁ ਯਾ ਪਰਿਲੁ ਤੁੰ ॥ ਸੋ ਗਿਚਿਲੁ ॥ ਸੇਖਤੁ ਪੰ
ਸਿਰਸੰ ਮਰੁ ਮੇਲੁ ॥ ਫਲੁ ਮਰੁ ਮੇਲੁ ॥ ਕਥਮਪਿਕਥੁ ਰੁ ਵਰੁ ਤਿਤਿ
ਰੁਤਿ ॥ ਰੁਰਸੰ ਰੁਤੁ ॥ ਰੰਪੰਘੰ ਮਤੁਰੁ ਸਤੁ ਰਤੁ ਯਾ ਪਰਿਲੁ ਤੁੰ
ਮੰਛੁ ਰੁ ਮੁ ਲੀਰੁਤੁ ॥ ਰੁਮਿਤੁ ਰੁਲੁ ਰਵਿਰਿੰ ॥ ਰੁਮੁ ਮੁ ਰੰ ਰੁਣਿ
ਕੋਤਿ ॥ ਸਤੁ ਰੁਵ ॥ ਸਤਿਗਿਤਿ ਰੁਮੁ ॥ ਮੁਲਮਿਤਿ ਰੁਮੁ ॥ ਰੁਯਗਿਤਿ
ਰੁਮੁ ॥ ਰੁਲਮਿਤਿ ਰੁਮੁ ਮਚੰ ਰੁਵ ॥ ਰੁਮੁ ਰੁਮੁ ॥ ਰੁਤੁ ਰਿਮੁ ਰੁੰ ਪਿ
ਰੁਮੁ ਰੀਤਿ ॥ ਰੁਮੁ ਮੁ ਰੁਮੁ ਰੁਪੁ ॥ ਰੁਤੁ ਮੀਰੰ ਰੁਮੁ ਰੁਤਿ ॥ ਗਿਤਿ ॥

ਸ੍ਰੀ:

ਮਾ
ਲੀ

੦.

श्रीः

विष्णुपुत्रः॥ कवरीपदे उमा॥ सुशरः॥ सुलागजभिस्र
निवा॥ प्राणः॥ भद्रपूणरः सुलाः॥ गणपूणनैरुक्तः॥ उभः॥ प
णनोभिस्रः॥ गु॥ उतीउ॥ उतिनिनु॥ सुलागजयेगहम
रुभा॥ भिस्रभुद्रुक्तमलं॥ निनु॥ भुभद्रुक्तमलं भुनं सुले
विष्णुः॥ गतेवृद्धा भिस्रुक्तं॥ निनु॥ भद्रमिवः॥ उषाया
गुक्तमगलपदे रुद्रुक्तं॥ थाभंगणे गु॥ भंमिवविगिमिः॥
लेकं रु॥ एति॥ सुलागलपदे रुद्रुक्तं थाभं भद्रुक्तं॥

श्रीः

भंमिचविष्णुवडि॥ भिममालं पंकेरु रुवंपा भं॥ उमेगुं
भंमिचमंरुगडि रुवं॥ उरुं॥ उउये॥ इमपुगोविण्ड
गीउवरु सुलो॥ पामेगरेगुं॥ भलोपलरोहभाको॥ भधि
भुडीविउरुउरुयेउ, डीय, भडिं, रुएं भुवकगेडिएगदि
नामभा॥ रुहंउवैवमालं निरुपाणिरोपभंरुभुउंमिवप
देभउउंरुभाभीडि॥ ७॥ नवृण्ण एरुम विरुल्यकलणीवि
वया॥ कषंभडुडि कउंसटा॥ उभुं उरुउया॥ वरुकलभ

श्रीः
भो ए

श्रीः

पुत्रयः पूरुभवादिनिमिरणीविभाष्टुमउत्तुद ३ ॥
पुत्रविष्टनाभउत्तिभिगभिदिरेष्टीपरकरी॥ एमनांमैउत्तु
वकभकगदभूतिभिग॥ मगिदुल्लमिडाभाल्लिगुल्लिक
एमएलणे निभगनांमंधूभगिपवादभूठवती॥ ३ ॥
उषमइदुडुभचंभमभमभत्रभिडिठवः॥ अविष्टनां॥ वि
दुणमपूतिपामकंसाभू॥ उदुदितानां॥ अउत्तिभिगमु॥ अष्ट
नउपावृकगमु॥ भिदिरेष्टनां॥ उदुष्टीपरकरी॥ उद्विकभिक

ਸ੍ਰੀ ਮੀਰੇ ਹੋਰਮ:

ਮਿਧਿਗਤੀਪਰਗੀਤਿਕੇਮਿਦੁੰਤਿ॥ਤਤ੍ਰਮਮਾਮਿਟਾ॥ਯਤ੍ਰ
ਗਪਦੁਮਯੰਪ੍ਰਾਪ੍ਰਵਤਿ॥ਤਾਮਸਤੀਪਰਗੀ॥ਰੁਤੀਤਤ੍ਰ॥ਯਤ੍ਰ
ਨਾਮਸਤੁਗੰ॥ਸਾਮ੍ਰਿਤ੍ਰਗਤਿਤਾਨੰ ਮੈਤੁਟੰਤ੍ਰਨੰ ਤੇਨਮ੍ਰੁਤ
ਕ॥ਤਤ੍ਰੋਤ੍ਰਮ੍ਰੁਤਿਮਮ੍ਰੁਤ੍ਰ॥ਤੇਨਮਕਗ੍ਰੁਮ੍ਰੁਤਿ॥ਚਿਤ੍ਰਤ੍ਰ
ਨਮਮਕਗਗਾ॥ਤਤ੍ਰਮਿਰਗਾਪਾਤਿ॥ਤਤ੍ਰਮ੍ਰਿਤ੍ਰਮ੍ਰੁਤ੍ਰਨੰ
ਮਿਤ੍ਰਮਨ੍ਰੁਤਿਤਾਗਤ੍ਰਮ੍ਰੁਤ੍ਰ॥ਗੁਨ੍ਰਿਕਾਪਾਤ੍ਰ:ਪਾਗਤ੍ਰਮ:॥ਤਤ੍ਰ
ਯਤ੍ਰਯਲਯੋਰੁਵਮਾਗੇ॥ਨਿਮਾਗਾਨੰਮਾਗਿਪ੍ਰਵਾਯਮ੍ਰੁਤ੍ਰ॥ਵਿਤ੍ਰ

ਸ੍ਰੀ:
ਮੇ ਟੀ

श्रीः

ऊपागिवागदभ॥ मं धू॥ उरुगुगकीटऊः॥ अउविमेषमउ
धूयेन॥ एअउकभभेदरणकइं रुगावटः पूतिपागिउभा
एअभुउकभभुएरभापुइ॥ उइगानं पूषभभेवेउं॥ कम
भुमाउदभापुउया॥ उइगानं विडीयेनेउं॥ इडीयउदये
गऊभेदभागाऊकइभुमभपूइभेवेतिह्लयभा॥ अषमद
लमनसुगावागुवगीएइकइं॥ रुगावटाभुमिउभा॥ उ
इउंशिपगालवे॥ एगउह्लरभह्लर॥ ह्लमिभानभउः॥ पनः॥

श्रीः

ॐ ॥ ३ ॥ ॐ इमं हः पाणिं ह्युभयवर्गं नैव उगं भु
 भक्त नैवः भिषूक एतवगं हीट्टि रिय ॥ रुय इ उं मं उं
 कलभपिमव क्कुभमभणिकं मरष्टे लेकं नं उवदिमगं
 वेवविपुं ॥ २ ॥ ॐ इमं ह्युभयवर्गं नैव उगं भु
 वरगः ॥ अरुयवगभरुणगकः ॥ इंपरगकं पूक एतवगं ही
 ट्टि रिये नष्टं ययः उषा नभि ॥ उवः किरियभा इणग
 ॥ नभि ॥ अपि उ ॥ रा रुयम उ इमभि ॥ उइरु उभा रु ॥ रु

ਸ੍ਰੀ:

ਯਾਮਿਤਿ॥ ਯਤੋਰਯਾਤ੍ਰੁਤੰ॥ ਬੰਠਮਮਧਿਕੰਠਲੰਮ, ਮਤੰਤਵ
ਮਾ॥ ਵੇਰਨਿਪ॥ ਵਿਣੁਰਯ:॥ ਯਥਾ, ਭੁਮੇਵੈਰਾ॥ ਪ੍ਰਕਾਇਤੁ
ਗਾਠੀਤਠਿਰਯਾਨਾਮਿ॥ ਅਪਿਤੁ, ਭੁਮੇਵੈਪਿਯੈਰਤੁਗਾ॥॥ ਪ
ਲਿਭੁਮਠਯਵਰਮ:॥ ਆਤਾਵਤਾਮਾਮੁਪਿ॥ ਵੈਲਕੁਠੰ॥ ਤਤੋਰ
ਗਕਟਾ, ਤਤੁਤੁਤੁਰੁ॥ ਰਯਾਮਿਤੰਮਿ॥ ਅਥਵਾ॥ ਪਾਲਿਭੁਮ
ਰਯਵਰਮੈਰੈਰਤੁਗਾ॥॥ ਭੁਮੇਕਾਨੈਰਾਮਿ॥ ਅਪਿਤੁ ਭੁਮੇਵਕ
ਕਾ, ਕੀਰੁਮੀਤੰਪ੍ਰਕਾਇਤੁਗਾਠੀਤਠਿਰਯਾ॥ ਤਥਾਪਿ॥ ਰ

ਸ੍ਰੀ
ਭੋ ਈ

ਸ੍ਰੀ:

ਯਾਤ੍ਰਾਤ੍ਰੰ॥ ਵਾਂਠਮਮਪਿਕੰਠਲੰ॥ ਮਤ੍ਰੰ॥ ਤਵਮਾਗ੍ਰਵੇਵ॥ ਨਿਪੁਲ੍ਲਿ
ਮਮਤ੍ਰਾ॥ ਵਿਹੁਤ੍ਰ॥ ਇਸ਼੍ਵਰਾ॥ ਭੈਰੋਪਭਿਤ੍ਰਾਗ੍ਰਾ॥ ਗਾਮ੍ਰਮਾਮ੍ਰਿ॥ ਪ
ਲਿਤ੍ਰਾ॥ ਮੇਵਾ॥ ਰਯਵਾਗ੍ਰਾ॥ ਪ੍ਰਕਾਟਿਤਵਾ॥ ਠੀਤ੍ਰਿਤ੍ਰਾ॥ ਪ੍ਰਕਾ
ਗੀ॥ ਭੈਰਾਮਿ॥ ਅਪਿਤ੍ਰਾ॥ ਯਾਤ੍ਰਾਤ੍ਰੰ॥ ਵਾਂਠਮਮਪਿਕੰਠਲੰ॥ ਮਤ੍ਰੰ॥ ਲੇ
ਕਾਨੰ॥ ਮਾਗ੍ਰਾ॥ ਗਾਮ੍ਰਾ॥ ਯਾਤ੍ਰਾਤ੍ਰੰ॥ ਤਵਮਾਗ੍ਰਵੇਵ॥ ਨਿਪੁਲ੍ਲਿ॥ ਗਾਮ੍ਰਾ
ਰਾਯੇ॥ ਪ੍ਰਕਾਟਿਤਵਾ॥ ਕਾਮੇਵਾ॥ ਮਿਵਰ੍ਵਾ॥ ਮਾਗ੍ਰਾ॥ ਪ੍ਰਕਾਟਿਤਵਾ॥ ਪ੍ਰਕਾਟਿਤਵਾ॥
ਭੈਰਾਮਾ॥ ਪ੍ਰਕਾਟਿਤਵਾ॥ ਪ੍ਰਕਾਟਿਤਵਾ॥ ਲਕਾ॥ ਤਕਾ॥ ਕਕਾ॥ ਕਮਾ॥

ਭੈਰਵ

ਸ੍ਰੀ:

ਸਿਰਾਮਕਏ ਤਿਤੁ ਤਿਤੁ ਮਿ: ॥ ਮਮਪ੍ਰਭ: ਤਤ੍ਤ੍ਰੁ ਪ੍ਰੁ ॥ ੭੩੩੩੩੩ ॥
 ਤਿੰਨਰਿਸ਼ੁ ਮਾਗਾ ਪ੍ਰੁ ਪ੍ਰੁ ਤੁਰਾਨ ਮੋਰੁ ਗੁਣਾਨੀ ॥ ਪ੍ਰਾਗੀ ਕੁਤੁ
 ਪ੍ਰਾਗੀ ਪ੍ਰਮਾਪਿ ਕੋਰੁ ਮਾਨਯਤਾ ॥ ਮਮੋਪਿ ਕੁਤੁ ਗਤਿ ਨ ਯਾਨ ਲੇਖੇ
 ਨਰਪ੍ਰਭ: ਮਾਗੀ ਮਾਪ੍ਰੁ ਤੁ: ਪ੍ਰੁ ਰਤਿ ਰਿਮੋਰੁ ਯਾਗਾ ਤਾਮਾ ॥ ੫
 ਪ੍ਰਾਗੀ ਮਾਤਮਾ ਸਰਾ ਤੁਗੰ ॥ ਰਗਿਚਿਤ੍ਰੁ ਮੁੰ ॥ ਪ੍ਰੁ ਤੁਰਾਨ ਮੋਰੁ ਗੁਣਾ
 ਨੀ ਮਾਗਾ ਪ੍ਰੁ ॥ ਰਗੀ ਕੁਤੁ ਮੋਰਿ ਰੀ ਕੁਪੰ ॥ ਵਿਧਾਯ ਮਮਾਨੰ ॥ ਅਪਿ ॥
 ਕੋਰੁ ਮਮਾਨੰ ਭਾਗੀਤਾ ਮਾਨਯਤਾ ॥ ਯੇਨ ਮਮੋਪਿ ॥ ਕਮੀਰੁ ਤੁ: ਤੁਮੁ

ਸ੍ਰੀ:
 ਮੋ ਈ

श्रीः

भमनाणनं॥ उवपुमामे नैवः टषः मभुविउ मेवेडि ठवः॥ य
दुदेपुल्ल उएने॥ भोठगुएरनि॥ गंरं कउपुं॥ इभागपेउ
वयः॥ भमोपुने नैवपुकरे॥ इरइ॥ वपुषा॥ मरीरे॥ भ
दुउं भनीन॥ भउं मेदयपुठवडी इवयः॥ वपुषा कीरु मेर
गडिनयनलेछेर गडिः॥ कभभू॥ उत्रयनइ॥ भाभुमरीयेर
डिभनरे॥ इरुः॥ उरुउभा॥ वभके सुगउउ॥ एउ भवपुग
गपुविउं॥ इले कभे डिनीभा॥ इले के भेदयभाभ॥ कभ

गिंठगवचरिः॥ कभमेवेपिमवेमिभदइप्रभनगीभा॥
 भभागपुठवल्लेके॥ भचभोरुगुभनर७८३॥ उडिगीयम
 डिगपि॥ एवकेरुवेरेरु॥ अदेराइभभाएगाभेति एवक
 पउविष्टापूर्वउकः॥ विरेदपववेरेरु॥ कभः॥ अदेराइः
 अदेराइ३३कैः पंममसादगीभउवलेः पूडिपममिप्र
 लिंकउकल३३कै॥ भभाएगाभ उंभउभाहुउवनिडि
 उमउः॥ विष्णुपदे॥ एरिदिमू॥ गीउभसापानउरं॥ इभा

मी
 मे
 ए
 ००

श्रीः

पु॥ ननगीकुड, पू॥ तुएनभोरुगुएननीगोरी॥ उषा॥ भ
रुगभापिबोरु॥ विभयभनयडुप्रयभाभेडडः॥ मेधं
भभातभा॥ नत्रप्ररुयभुनगीकुपगुरुलं॥ तादवाप्ररुय
कुपगुरुलं॥ सुसुदराकभिडि रुव उ॥ उडुभडुभागे
पयोगः॥ कडुयभुत भनिभेदकडु भाभगुप्रपडुव रु
विष्टडीडुतुडु॥ ५॥ उँएनः पोथं भोचीभपकरभयी
धंमविमिपा॥ वभत्रुभभडिमलयभरुयैएनरावः॥

सुखी मं हरेमः

उषाष्टकभूचंदिभगिरिभुतेकभापिरुपाभपाङ्गउल
वृणागामिभभरङ्गेविरायते॥ ७ ॥ उषाम॥ उमीयभभगी
रुमीतिरुवः॥ एवः पोष्यं पृथ्वभयं भुतभयं॥ वष्टेप
भभितुङः॥ भोची॥ हभपकगभयीरुभगभयी॥ भपकग
भाकय॥ मिक्कले॥ भुदं नैद्यहृते॥ विमिपावर्लः॥ पमेव
रुदणिकः॥ वभउरुउकममिडा॥ कभभभुभभदयः॥ भ
लयभभुत॥ मदि॥ निलः॥ भभगभनः॥ सुवेणरगवः॥ घ

भ
०१

सुभाणैरगवः॥ श्रवभष्टकः॥ द्वितीयमेतन्मदयगदिडैरं
गः॥ मगीरे॥ पिसुटः॥ उषाधि॥ रुद्रिभगिरिभडे॥ उषा
सूत्रेउषाउ॥ कुभष्ट॥ निचमरीयांरुपांलवू॥ भवभिमंय
द्विष्टि॥ गाड॥ भागवति॥ पू॥ भभुं॥ विणयते॥ उडऊः
विष्णुपदेरुपांकीरु॥ मी॥ दिभगिरिभडे॥ कं॥ दिभगिरि
भउया॥ क॥ भेवांका॥ यड॥ कुभः॥ य॥ मी॥ रुगावह
पाभाभा॥ क॥ भेएगाडुमीकरोति॥ उ॥ मरुपाविधयः॥

श्रीः

यस्य दंभं उग्रं दंभापेका उग्रमीकृता भेदा मयेन ॥ उग्रं मयं प
ठिला धेठ गवह उग्र मयः ॥ यद्वादि भगिनि भुता य उग्र भः
भुता मदे मय ॥ य उग्र भ मदे मयि धु पा चती विषय ठिला धणर
र मजिः ॥ कभ भुठ गवह पा उ उ ठिठ वः ॥ ये ॥ मय पठ मय उती भ
उप भाद ॥ ॥ ॥ क ॥ कृष्णी म भ क रिक लठ उ भ भुठ ग ॥ परिणी
॥ मय पठ परि ॥ उ मय मय मय ॥ ए उ उ ॥ द म भु लि भ पि
मय र क उ ले ॥ पय भु म भु मः पय म पि उ र दे पय धि क ॥ ॥

क० सुप्रयभांरं क० श्रीम० ॥ का० पु० पि० क० सुकायभु० ॥
उषा० ॥ करिकलठः उ० भि० म० व० क० उ० भु० ये० गि० व० भु० र० र० य० भु० ॥
करिम० सु० इ० प० ग० ल० कः ॥ करि० पु० क० पु० क० म० ल० ठ० उ० करिकलठः
करि० सु० पु० उ० उ० क० मि० उ० ॥ भ० पु० उ० म० ग० प० रि० की० ल० द० म० ॥ परि० उ०
परि० प्र० ल० सु० र० क० ली० र० सु० उ० सु० सु० सु० र० भ० प० य० भु० ॥ उषा० क०
उ० लै० व० र० क० म० उ० व० ल० सु० र० ॥ पा० म० र० सु० वि० मे० धं० भ० लि० भ० उ० म०
म० प० व० प० र० य० ती० रै० भ० क० पु० र० भु० म० ग० ॥ सु० भु० उ० पु० उ० ॥ की० म० सी० प०

रभविउम्विक्का'दीपुनधिक॥ सुदेपुनधेदमिहकिभं'उपा॥
 सुदेपुनधिक'य'ह'भु'भु'वर'भु'नी'ह'भ'के'मेल'ह'॥ सु
 इ'पा'म'ए'उ'धे'उ'व'पै'व'भ'कर'ये॥ सु'उ'म'व'॥ ये'उ'व'पै'म'हि'क
 र'ये'ह'र'भा॥ के'मि'उ॥ म'हो'व'क'र'पा'म'व'भ'कर'उ'म'म'जी'र'भि'क
 ति॥ सु'इ'ए'उ'रै'ह'व'॥ व'॥ उ'उ'क'भ'ल'री'ल'क'भ'ल'क'ल'द'र'कै'र'व
 भ'द'क'र'भ'ल'री'उ'पा'भु'उ'र'ए'म'व'उ'॥ सु'उ'म'व'र'ग'इ'प'मि'उ'भ
 व'ल'भ'य'पा'मै'र'उ'प'इ'रि'मि'उ'॥ ॥ वि'ल्लु'प'हो॥ नि'भ'क'प'र'भ'वि

श्रीः
 भं
 ०७

[illegible]

मिव करम छै परमा मिव पदक विलये ॥ कणति डं एट कडिम
 रामि मरु लदगी भा ॥ ३ ॥ अण भिबै रभउ भुण्डे ॥ भग वि एपि
 पं कल्प कदा ल्यय वाणी उय प रि कउ वे धिउ ॥ भलि स्त्री पनव
 रद्राप मिउ स्त्री प ॥ सी प प व र व डिक म भुल उ र भ ली ये मिउ भ
 लि ग द मिउ भ लि रद्राप मिउ उ ह भु भु मि य उ भ मि र ॥ मिव
 प व प द क कर म छै ॥ मिव रं व द्र वि लु म म मा र भा क र उ द डि
 द ई म म व भ छै ॥ प ड उ पः पर म मिव भ म मिव प व प द क क
 मि प उ य भि उः ॥ उ भि विलये र भ रं य भु भु ॥ ॥ व द्र वि लु

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

पिष्टु न ह मि भ न उ भा क स भ प रि ॥ भ रौ पि रु भ ष्टे भ क ल भ पि ठि डु
 रु ल प षे ॥ भ द भू र प ष्टे भ द र द मि प ष्ट वि द र भ ॥ ॥ ॥ भ दं पी प ष्ट
 अ ल ण र प उ म ले ॥ भ णि पि ष्टु र कं ण ल भ लि प्र र न ठि म र ॥ रु उ र
 भि डि ॥ भ णि पि ष्टु र भि डि प्र र येः भं ह रु उ य म् ॥ स भू र भ उ र उ वि
 रु मि ॥ भू र द उ भ न उं व यं ॥ उ प रि क ष्ट वि सु रु म र सु क मं ॥ रु भ ष्ट
 भु ह म र ॥ भ रौ उ क रं प रं भ क ल भ पि उ ल प षे प ष्ट रुं ठि डु ॥ न
 भू र भू र म भू र प ष्ट ण क ल भ भं ष्टि उ ॥ प ष्ट मि र न भ द र द मि ॥ प
 क उ वि द र भि डु ॥ ॥ ॥ भि डु भे भू र ॥ उ रु लि रु भ द रु म रुं गी ह

भूः
 भूः
 ३०

एतिभेद्विनीभा॥भलिलभुनयेगेणएलंमगतिवेगविता॥वहुठुम
 एलभिवभुममहयिंइलळिपभा॥भरुठुममीपुगतिदातिरेम
 मउंठु॥७३॥हेभठुमपेमगतिभनेठुमभनेगातिः॥यइकभयउंउ
 इयडिलेकइयेपिम॥भयेणयस्त्रिवठुममिवपवप्रसयउ॥क
 उदउमभचइभगभगरभभुतः॥७४॥तिभिमुविमेषेधुतः॥ऊभलि
 तीउपेपिइगवेति॥विष्णुपठेप्रयभजः॥ऊभलितभुवकुभिकइ
 य॥उइत्रेयकुभिकंभयीमिहदिनेकुत्रयकुभिकप्रहवडिऊभिक
 इद॥७५॥भएणभभरेस्त्रयगलउचिगलिरे॥प्रपंमंभिपु

श्रीः

उपनगरपिरभाभ्रायभदभा॥ अवापृशंक्रुमिंकरागविठभपृधुवल
पंश्रभाभ्रंरंरुहश्रुपिधिकुलकुंरुदगिलि॥॥॥ अणणरभाभ्रभाउ
णरभाभ्रउः॥ मर॥ यगलउचिगलिउरुमपृगउमुल्लरकुमर॥ इ
याउजउरिःश्रुमभ्रैः॥ पूपंमंभानभभ्रानमिधरुउपंकुलपसंमि
इतीहरेरावयकुभिकेऊ॥ अषपृहकडिकुभिकभाद॥ परगपीडि
रभाभ्रायःपरुभ्रायः॥ प्रचमहि॥ पस्त्रिभेउरैवउरः॥ धणमउर
भ्रायः॥ पाजिवपृवलवयहृरुमभानभाः॥ मभ्रवभ्रायः॥ पउधंभ्रा
रहृउरगमिउमे॥॥ कुभ्रादिभानभादिउमे॥॥ पउधंभदभ्राय

श्रीः
भो न
११

श्रीः

वां धल्लं भदभा उराभा ॥ धं कुभिं भल णर भव पृलवु ॥ सुइरं धध
हुपं कुणग विठं भद करं ॥ सपृधुवल यं भाव दिवल यं दद ॥ कुल कु
भं भल णर उज उम उरु लप म कलिक भएव डि वि डि कैल ॥ उद
वि लि कुद रं रवु विमेष भुव डि उ पु भुले ध पि धि मे ध ॥ उम उभा
भल मि इदु रवु उं र कुल उ उ भ विठ भा ॥ कुल कु भ लि री वि उ वि
दुव ली भ गं उ र भा ॥ भ उ लि कुल रु रु र भ म क उ र व मि नी भा उ
वै ये वी य म र र भ भु मि उ वै ठ व भा ॥ सु र उ पं प रं ग द पी द कु ल प
र भ उ भा ॥ स कुल कुल कं कु यः कुल म कुल कं भ दः ॥ प्र वं भं भ रं गी

श्रीः

लिकयं॥ इगभु गंभभेभिः उवञ्च त्रिभलकः॥ भल्लमुत्र
एणीव उवः॥ मित्रलकः॥ नवण उरयं देववये निभभुः
उतिनवये निमीभु॥ इयच्च इति मके एवभल्लभुमल॥ क
नयं भेभुमल॥ इवल्लयं क उइयं इगोपा उपंभु विभगोपा इयभा
इभभंभु॥ उवठवनके ए विपतिः परि ए उः॥॥॥ उमके॥ वि
मइके ए भुके ए मभयभ॥ भवभुगमल भेभुमके भुकेभुभा
क उइयं मभभुभयं॥ श्रीभुभे उमि उं पामे व उयः उ
डि॥ पुभुगवमाडिके ए भुः भिउके ए सुयभु॥ भुके ए उं

माः
भो न.
३५

उड्डि मड्ड रिंमड्डभा॥ सुभुड्ड गड्डमभु॥ वड्डंरुड्ड पुमानेअइड्ड
पगयउभा॥ विट्टुमेविठ्ठणोमपुमड्ड रिंमड्डिठ्ठगड्ड॥ धपुधपुधपुध
मेमड्डगीयेषड्डगीयेके॥ मउऊषड्डगीयेमपुधपुधमकेपरः॥ वि
णयरवमिड्ड विड्डेषमड्डलिपाड्डयेड्ड॥ नवयधुड्डगगालिउधाम
यपाड्डउः॥ सुड्डड्डगीयेउड्डंउड्डपाड्डमधपुयेः॥ मपुड्डम
ड्डरगिठ्ठनकलंमकड्ड॥ पगल्ल सुपुवेमपिभाणं॥ येणयेड्डभा
ड्ड॥ मविमपुठ्ठवेगड्डेमड्डुड्डेकेउमपुड्डः॥ मड्डलउकेड्डमपुठ्ठवणं
गड्डमपुड्डः॥ सुगिड्डेड्डेममपुठ्ठसुड्डुड्डेमेममपुड्डः॥ मड्डुड्डेकेड्डम

नतिठिललहृषुभ्रतिठिः॥एल्लुअरभदरवठिः॥इषाशिवेलयंल
 कइयंतउमेवगोपइयं॥पंठिसुभावंइयसुइगिअमेवभुवठव
 राभिव॥ठवनंमेदेउभुके॥पकमेमःपवि॥॥देवभमलवभ
 पनंममतीतिवभमेणउ॥उंलउरगदुगीइऊः॥कुलंमपउर
 धिकलरां॥मसुममपूकमकदेउइऊः॥००॥इमीयंभी
 उदिरगिरिकउंउलयिउं॥कवीमूकलपुंकषमपिविरिष्ठि
 रुउयः॥यमलेकीइऊमभगललेरायतिभरभा॥उंपेठिइधु
 पाभपिगिरिमभायएपमवीभा॥॥॥॥देउदिमगिरिकउं॥इमीयं

म
 श्रीः
 मे म.
 ३५

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्रीः

यवउयः॥॥॥वघीयं भंरुं नयनविभं उतु पं॥ नम भु क भेरीरु
 अणरु भर ठिं॥ पउम मभपिनं भनं॥ उव पापु लिके पाइ नय
 मालेकनं उभिचु डिउं उरु नं मउमैय वउ येरु ख डि॥ कीम शे गल
 मे ली वरु विगालिउ कवरीरु॥ उम कलम दिभु अरु॥ भिप
 यः कडुलिकय भंउ॥ द० विरु रं इरु इरु डि इरु रं
 कः॥ विगालिउ मगुल रुपु उगीया उरुः॥ ०३॥ मधर मि मरं म
 मय डि॥ ॥ पंठि रं ध द ड मदि मभपिक पं ड मम मके॥ रुउम
 सुध विरु उरु पं ड मम रिले॥ दिवि दि विं मम रभि मम

श्रीः
 भेल
 १०

ॐ धि वि ति यो ॥ भ य्रा पा भु धा भ द्य प रि त व पा म भु ए य ग भा ॥ ॥ दि
इ भ्र ल ण र य धा क म म्भ ले ॥ पा जि व उ ड्ड उ पा श्र पु वि म्भ मि म्भ उ यः ॥ पा
जि व उ ड्ड रि म्भ ॥ पा ड्ड उ ड्ड रि म्भ म्भ उ र क म्भ रि य लि ॥ भु
उ ड्ड ग म्भ उ ड्ड य ॥ क लः प्र द ति प्र म्भ म्भ द ड्ड रि ॥ उ ड्ड पु वि म्भ मि ॥ प
भ य ॥ म भि म्भ उ ड्ड म्भ रि वि म्भ ॥ उ र य धा ड्ड म्भ उ ॥ ॥ प धा र
भा उ र य धा उ ॥ उ म्भ क म्भ लि प्र रि वि प ड्ड म्भ म्भ ले ॥ भु धा रि त ड्ड रि
ध रि म्भ मि ॥ पा ड्ड उ ड्ड रि म्भ म्भ उ र क म्भ रि य लि ॥ उ धा म्भ उ म्भ म्भ
र प क म्भ म्भ मि मि ॥ म्भ म्भ उ ड्ड म्भ रि प ड्ड म्भ उ ॥ ॥ उ ड्ड म्भ म्भ पि

शः
भो न.
३१

पुनरेव धर्मिले उएण भउडु नि॥ एक हिंस मडि वमडि विठगे नडुः
पुः ७९॥ अरिले नदउ मउ धड्ड मम ले वय हउडु विमपु विंसतिः॥
भदउडु डुरपा जिरउडु नि॥ मिवमडि विठगे नडु धड्ड मग १५ मडि
विविमुडु मरुसु भपु डिमले॥ हे भउडु निध डिमग॥ मिवमडि भम
मिवे सुग सु विष्ट भाय कल विष्ट॥ रग कल विय उपग धरु
डुडु कर वाडि भरे हुरे दिय क मे दिय॥ मरु भम डुपर भग वपु
डुडु नि॥ उडि मडि मिव विठगे नडु भपु डिः॥ १३॥ भर भुडु मरु म
उध धर्मिले॥ भम भउडु निध हिंसग॥ उध डि पर मउ च पग ध

मयपुणः कृतीयेवेमहुराममडगीमपुणः क्रिया पल्लभीकः कलीदि
 द्विष्मप्रीष्टमकधुणः परतैएयतेदिभममवैभयतिः भुतः ॥
 धादुंमकु यिकपैककः कः भमभमिउ ॥ उकुतैएयतेहउ भमवयै
 गणीसुगी भपुविमतिरम्रीरं पतिभनः दउ मयः एनगडुक्रियव
 कः भमवगीसुगीभउ ॥ एकहिंसकुमिपतिभपिपुः नमभमिउ
 क्रियाउः कः कलीष्टकभमः कलिलरयिक भपुविमतिरम्रीरं
 भालिप्रमभमिउ कः कलुभकः एउ भमिउगीसुगीभउ यपु
 विमतिरम्रीरं भपिपणः रभमिउ मिवमतिः क्रिगनद्विविणमभ

श्री.
 भे. क.
 ३३

वक्षिणः॥ भृष्टुङ्गं मद्रिमत्तं भवं सभु भगीमयः॥ परमि सक्तिनिष्पद्भिः
यके भ्रदिङ्गं पुगः॥॥ द्विभृष्टुङ्गं पिङ्गं शिल्मि मत्तं द्रुमरीधिः॥
पक्षं भृष्टं भृष्टं एणीव भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं
द्रुमैकं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं
लक्ष्मीव भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं
भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं
भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं
भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं
भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं भृष्टं

म० उ० ॥ ज० दली भ० अ० क० हं म० प० द० कि० त्र० भ० द्या० प० क० ॥ न० र० दि० भ० वि० उ०
 उ० उ० उ० मे० उ० उ० द० व० य० भा० ॥ उ० उ० उ० म० भ० व० य० भ० ॥ ग० ग० मे० उ० स० र० म० र० भा० ॥
 उ० उ० ॥ ॥ अ० व० प० जि० व० मि० प० क० र० म० मी० रं० र० भ० वि० ॥ ॥ उ० उ० प० जि० वे० ॥ ॥ उ०
 द्री० सु० ग० उ० द्री० सु० गी० ॥ ए० ले० सु० गः० ए० ले० सु० गी० ॥ प्र० ल० सु० गः० प्र० ल० सु० गी० ॥ क० मे०
 सु० गः० क० मे० सु० गी० ॥ मी० क० भ० ग० ग० र० ॥ अ० र० उ० ॥ अ० र० भा० ॥ म० दू० ग० पि० र० कि०
 पि० दू० लः० प० उ० ल० मे० वी० ॥ न० मा० ए० ॥ र० मः० सु० र० मः० द० कि० नी० ॥ भ० द० र० मः० ॥ सु०
 ल० सु० र० मः० र० कि० नी० ॥ भ० द० र० मः० ल० कि० नी० ॥ ये० ए० क० कि० नी० ॥ अ० मी० उ० ॥ म० कि०
 री० ॥ प० मः० द० कि० नी० ॥ सु० ए० र० मः० र० उ० ॥ म० म० मः० म० मी० ॥ ज० र० नि० री० मः० क०

श्रीः
 मे० न
 ७७

रल॥भमप्रेमःभद्रेकुम्भ॥भरमिबिभल॥भउद्गी॥भवल्लवि
 भलःप्रलिङ्गी॥योगविभलःसधुगी॥मिदुविभलःवगपरा॥भम
 यविभलःकुलालिनी॥शिरःकुहा॥उद्गीमःलह॥पधुमःकु
 लेसुगीमदणीमःकुलए॥५॥५॥एउपजितरमयः॥५॥अल
 गधेधदंष्ट्रमदुलंकंभलंविमिदु॥उक्तिकयभग॥वहभ
 मिचंभंप्रण॥धदष्ट्रमदुलेषगमयःप्रहः॥५॥मिचंभुरन
 षमीपदुकंप्रणयभीडियेणभा॥मऊमधुमेवीमीपदुकंप्र
 णयभीडियेणभा॥संभचमऊ५॥५॥मधुमेवीमीपदुकंप्र
 णयभीडियेणभा॥संभचमऊ५॥५॥मधुमेवीमीपदुकंप्र

श्रीः

हुपात्रिभद्रिः॥ मस्मी सं प्रणये हुड मधु विं सडिक रुभग ॥ मड
कुं पं स कं व डं मड कुं प ड कं प रः ॥ मड कुं मि डि मं ठि वः रुभ अ मि
वर म्म यः ॥ कु भ व पि वि लि ए प्र ण या उ ॥ ८ ॥ म्म व पु र म्म यै भालि
प्र ग ॥ म भु व रु मे ~ अ पि पु र भालि प्र ग यै व ड यः ॥ ९ ॥ उ म ॥ म
हु ए उः भ यः व भ मे वः ॥ श्रीः म्म प्ये गः प ड ॥ उ म्म रु भः ॥ अ धि क ॥ म
र उः रि क डिः ॥ म्म र वः प्र डि म्म ॥ म्म र मि उः वि ड ॥ म्म मि उः म उ
म मि म ए रः ॥ उ म्म उी वः ॥ ग ड्म भालि व ड ॥ म र म्म उी म्म व ड ॥
वि ड कु भ ल ॥ ए ए णी मः ॥ प व उी व म्म म्म रः ॥ मि ड्म म ड वि ड्म म्म रः भ क

श्री.
भो म्म.
उ.

भल॥ उभगादेसुगः॥ भमषः दल्लसुगः॥ श्रीः श्रीकः॥ लप सुगः॥
भगीमंकरलः॥ भापलपिदलः॥ यमेवगीभणपः॥ दंभरदः॥ भव
मेवेमः वभ॥ भगमिहोपेदुगः॥ पीठोपः गेदुगी॥ भवेसुगः भवभयी ५९
पडेसुपुगमयः॥ ॥ भलिप्रगेद्विपद्वमद्वले॥ मडकमिद्वमे
प्रपुः॥ उदुऊभापद्ववदिष्टं॥ मडकं ममडकं मपद्वद्वयसुडकक
पंमकंदिकभिडेवठिचणलभगीमयः॥ ॥ उडिउडुउगे॥ द्विपद्व
मद्वलं भमिद्वप्रणरंउडुऊभा॥ ॥ सुषडेणभगमयः॥ परपरः॥
मद्वसुंरी॥ परभः मडकजी॥ उद्वगः गुद्वकली॥ मपरः भवड॥ मिम

श्री.
मो. ३०

रुद्रः शिवाय ॥ प्रपन्नः गच्छ ॥ ममभयः रम ॥ ललितः भय ॥ अक्षः भ
व ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥
मयः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥
अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥
अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥
अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥
अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥
अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥
अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥
अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥ अक्षः भयः मयः ॥

धं म उ कं उ द क य उ म ॥ ॥ ॥ धं मि डि रु म डि च पु ए म रु म
 र म य ॥ उ डि धं ॥ पु ए न रु म ॥ ॥ ॥ सु व व य व म गी म यः
 प ग म र रु म ॥ ऊ मः पु ए र ॥ प्र मे धः सु मे क ॥ भी र भ ह ली ॥ ए रः
 वि भ ल ॥ भ द र रुः म व री ॥ डी रुः ली ल ॥ प्रियः ऊ म म ॥ क लिक ॥
 भी र के ॥ रु म रः रु कि री ॥ र मः म कि री ॥ ल मः क कि री ॥ क म रः ॥
 क कि री ॥ म म यः म कि री ॥ द म रः द कि री ॥ पु ए मः र कि री ॥ य रु
 मः वि रु गी ॥ ऊ रः ऊ ल ॥ म म य मी मः ऊ ज्जिक ॥ उ ज्जी मः क म क
 ल ॥ गि रि मः ऊ टिक नि डि क ॥ मि पि मः क रु र व री ॥ व रु ऊ प ॥

श्री.
मो. म.
३३

सुभ्रसा॥ भदउरी परभगुन॥ भद्रल परादिगुन॥ केभए प्रभउगु
नः रभा॥ परा॥ २८ पउमुरादउडग सरुले॥ पन्निभ मिप्रएः॥ द
डीयधभुरवमलेप्रधए॥ धए॥ मउेधमउकुंमउकुं॥ पम्वरदिउं
मउकुं पंमकं धकुं मउकुं पंमकं इवभा॥ उतिरुमे~ कित्रः म
व'यवीय'भगीमयः॥ धकुं~ प्रणरभऊभा॥ ॥॥॥ अषनठमभगे
मयः॥ ॥॥ द्मयंके लिकी॥ पर'कउः॥ ठेगः विस्वमी॥ ठयः येगि
री॥ भदः बुद्धभग॥ उपः मवगी॥ उठः कलिक॥ रभप्रधुः माडा
ली॥ भदः मय्यरेमी॥ भरेठयः देल॥ मेके॥ द॥ मऊरु॥ गुहंऊ

क्रिक॥पगः मुकिनी॥एलरः रकिरी॥मभ्दी जलरुकिनी॥ठि
 येष्टलः ककिनी॥उएः मकिनी॥अचकलकिनी॥वयः पा
 पथ्री॥जलः भिंद्र॥भंदरः जलपिक॥विश्वभूरः कभा॥कै
 टिलः ऊअभ'उ॥गालरः कइली॥हैभहैभ'॥श्वभरः रमः ॥
 एमरः भदमेची॥रद्रलः भेदरी॥उउः ऊइलिरि॥भरः रमीपि
 क॥रजल'गीउ॥जलेमीप्रणाः॥उविक'सं॥संमिक'मैधः ॥
 भेमिक'परभः परभगमिडा॥१३॥॥पउविमुकु'पेइममल'सु
 हुउये॥धइधइ'भहैष॥मउइ'मउइ'पइ'दिउं॥धइ'प'रु

श्रीः
भे.रु.
३३

लिराज कलिनीपर भेषगु भेषगुपर ॥ पू ॥ अइपू ॥ अइपग ॥
भदकभदकपग ॥ भ'क'क'भ'क'क'पग ॥ एरैकुराएरैकुरपग ॥ वल्लुणः
दल्लुणपग ॥ मरुणः मरुणपग ॥ वल्लुणं वल्लुणपग ॥ वनणः ॥
वनणपग ॥ भंयैगः भंयैगपग ॥ भंइविगुदः भंइविगुदपग ॥ १२
पडेगं म'तुं द्विमले प्रह ॥ मडकं मडकं वभमले ॥ मडकं मडकं
यं मदि ॥ मले ॥ पद्वदिचुं उ ॥ मडकं पं मकं मै वमडकं मपुमं
उषा ॥ मडकं मपुकं मेडिऊ म'र'भ'म'यः ॥ ७ डिपहिल प्रणार
भकुभा ॥ ७ डिपम'दिट्टुं मक'र'भ'म' ॥ मिषरभ'ल'यं

उ॥ चउधंरभ विरदु कनि॥॥ यष डिपरं भुग्गी डिपरं भुग्गः॥
 द्रमयमेवी द्रमयमेवः॥ मिरेमेवी मिमेवः॥ मापमेवी मिपमेवः॥
 कवममेवी कवममेवः॥ नेइमेवी नेइमेवः॥ प्रभुमेवी प्रभुमेवः॥
 कभेसुगी कभेसुगः॥ कगभालिनी कगभाली॥ निहुलि वनिहलि
 वः॥ कीरुकीरुकीरुः॥ वनेव भिनेवनेवभी॥ भदवए सुगी भदवए
 सुगः॥ मिरेद्रुगी मिरेद्रुतः॥ इरिउ इरिउः॥ कुल भुग्गी कुल भुग्
 गः॥ निहु निहुः॥ नीलपड क नीलपड कः॥ विणाय विणायः॥ भव
 भद्रल भवभद्रलः॥ सुल भालिनी सुल भाली॥ मिड मिडः॥ भद

श्री.
 भो मं
 ३७

[illegible]

कलु' ~ देवभयीकलु' ~ देवभयः॥ रड' देवभयीरड' देवभयः॥ व
 भु' देवभयीव' भु' देवभयः॥ रभ' रड' भयीरभ' रड' भयः॥ अल्भ' मि
 मिद्रिः॥ अल्भ' मिमिद्रिः॥ लप्भ' मिमिद्रिः॥ लप्भ' मिनि
 भंदिभ' मिमिद्रिः॥ भदिभ' मिमिद्रिः॥ गं' सेड' मिमिद्रिः॥ गं' सेड' मिद्रिः॥
 क' भु' मिमिद्रिः॥ प्र' क' भु' मिमिद्रिः॥ ऊ' ऊ' मिमिद्रिः॥ ऊ' ऊ' मिमिद्रिः॥ उ' ऊ' मिमिद्रिः॥
 उ' ऊ' मिमिद्रिः॥ प्र' पु' मिमिद्रिः॥ प्र' पु' मिमिद्रिः॥ भव' क' भ' मिमिद्रिः॥ भव' क' भ' मि
 म्द्रिः॥ व' द्नी' व' द्नी'॥ भदे' व' गी' भदे' व' गः॥ ५७॥ द' डि' ए' द' डि' ए' लग्
 यः॥॥॥ अ' व' उ' ए' भ' ग' म्भ' यः॥ के' भ' गी' के' भ' गः॥ वै' पु' री' वै' पु' री'॥ व' र' दी

श्री.
 भे. क.
 ५५

वरादः॥ भदेझीभदेझः॥ मभझीमभझः॥ भदलझीभदलझः॥
मचंमंछोठ॥ मचमंछोठ॥ मचविदूव॥ मचविदूव॥
मचकस॥ मचकस॥ मचवसीकर॥ मचवमकर॥
मचमिनीमचमिनी॥ मचभदझमीमचभदझमः॥ मचाप
मगीमचापमरः॥ मचगीणीमचगीणी॥ मचयैनिःमचयैनिः॥
मचाशिप॥ मचाशिप॥ इलेकभेदरमरुअभिनीइलेक॥
भेदरमरुअभी॥ प्रकएयोगिनीप्रकएयोगी॥ कभकस॥ क
भकस॥ बहुकस॥ बहुकस॥ मदकरकस॥ म

ऊङ्गकसु~:॥सङ्गकसु~।सङ्गकसु~:॥भ्रवकसु~।भ्रव
 कसु~:॥उपकसु~।उपकसु~:॥रभकसु~।रभकसु~:॥
 गङ्गकसु~।गङ्गकसु~:॥मिडकसु~।मिडकसु~:॥ऐदक
 सु~।ऐदकसु~:॥भ्रङ्कसु~।भ्रङ्कसु~:॥रभकसु~।
 ~।रभकसु~:॥रीएकसु~।रीएकसु~:॥७९॥स्रस्र
 वयवभगीमय:॥॥॥सुङ्गकसु~।सुङ्गकसु~:॥स्रभङ्कसु~
 ~।स्रभङ्कसु~:॥सगीरकसु~।सगीरकसु~:॥भवम
 परिप्रकस्रस्र।मिरीभवम।परिप्रकस्रस्र।॥उपुय

श्री.
 भो.रु.
 ३०

श्री.
मै. ५.
३५

कमप्रममवकमप्रमः॥भवदःपविभोगिनीभवदःपविभ
मिनः॥भवमदप्रममनीभवमदप्रममनः॥भवविप्रनिव
नि॥भवविप्रनिवनिः॥भवदममनीभवदममनः
भवमिठगुमयिनीभवमिठगुमयी॥भवजमएकमरु
भूमिनीभवजमएकमरुभूमिनी॥कुलैडीलुयोगिनीकुलै
डीलुयोगी॥भवलुभवलुः॥भवमजिःभवमजुः॥भवैषद
पमभवैषदप्रमः॥भवलुनभयीभवलुनभयः॥भवहृणि
विनमिनीभवहृणिविनमिनः॥भवणप्रभुपभवणप्रभु

मी॥ अङ्गुमिरी अङ्गुमी॥ भदकंभसुगीभदकंभसुगः॥ भदवङ्गु
सुगीभदवङ्गुसुगः॥ भदरुगभालिरीभदरुगभाली॥ भदइप्र
रभुङ्गीभदइप्रगङ्गुङ्गः॥ भनभिडिप्रुङ्गमङ्गुअभिरीभच
मिडिप्रुङ्गमङ्गुअभी॥ गडिगदभुयैगिरीअडिगदभुयैगी॥
मीठुगिकमीठुगिकः॥ भचरुभयमङ्गुअभिरीभचरु
रुभयमङ्गुअभी॥ परपरगदभुयैगिरीपरपररुभुयैगी॥
इप्रगइप्रगः॥ इप्रगसुगीइप्रगसुगः॥ इप्रगभुङ्गीइप्रगभुङ्गः
इप्रगवभिरीइप्रगवभी॥ इप्रगमीः इप्रगमीः॥ इप्रगभालिरी

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

भक्त एव गइ भइ ॥ भूटिक गुटिक प्रभु कण गभ ॥ भक्त न इर
इ कष भपि भउं भवि गणउ ॥ भप ह्री गइ दाम भप गि भप गी ॥ भ
ल्लि उयः ॥ ०५ ॥ मग हली न मद्रिक ममिं ममि र' यउं ए ए ए
उं भु ज्ञ उउ ॥ भक्त ए भइ इतिः झै कैः व' ह वै प' भ नै प य उ ए न'
द्रिक भ भु उ ॥ उइ भ' द्विके ए' न भ' हु न द ॥ मग मि ति ॥ मग हली न
मद्रिक ममिं ममि र' यउं ममि यउं ए ए ए ए व उ भु न यं म भ उ
ए य भ' भु भा ॥ वरै वर भ भु इ भ इ ॥ भक्त य भ भु भूटिक गुटि
क भूटिकी भल' प्रभु कं म क र य भु भु ॥ इ भ भ उ ॥ प क व ग भ

श्रीः
भे रु
रु

श्रीः

पिडरइ भउं मल्लर रं ठलि उरं र'मः कषंर मत्रिमणउं मत्रिदि
उः कषंर ठवति॥ मपिडर वउं वेउं उ॥ कीमृ मुं ठलि उयः भप॥
दीरइ द'म परिभपरी ॥ भपन म'दिवउं दीउर म'वति उकु
वउं ॥ म'दिवउं ॥ म'दी क'वउं ॥ भपनिभपरी ॥ भ'पदप्रव'द'उ
उ॥ ॥ उइर'ए भ'ए र'म'द' ॥ ०५॥ ॥ कवीरु ॥ मेउः कभ
लेर'र'ल'उप'म'मिंठ'ए उेय'भउः कडिमि'म'र' ॥ मे'र'र'व'
तीभा ॥ विगिडि'प'य'भ'भुरल'उर'म'इ'ग'ल'दगी ग'की'ठि'वा'
गि'चि'म'ण'डि'भउं'र'ल्ल'र'भ'भी ॥ ॥ ॥ ये'भउः कडिमि'उ'

श्री.
प्र. ५.
२०.

ॐ उगल उगव मम सुउग य म सुगल दरी म सुगम भउग सु
ज कीर गिरि उगः ॥ ७० ॥ ॐ भविशी हि च मं ममि भान् मि ल
क ड म मि हिः व मि उ उ हि मं म द ए र नि मं मि उ य डि यः ॥ म
क उ क व ॐ क व डि म द उं क डि म क गौ च मं हि च गौ वी व म र क
म ल मं म भ प रैः ॥ ॥ दे ए र नि व मं भ वि शी हि मं क क ड क हिः
म मि भान् मि ल म र क उ प ध ॐ सु सु क ड क ए म न म र
क उ म भान् गिरि उगः ॥ क म हि दि उ उ डि उ य उ उ क मिः क डिः
य मं उ हिः व मि उ मि हिः ॥ व मि री क म सु गी म मि री वि म ॥

ल'प्रमः एयिरी भवे शरी के लिनीतिः भदयभुं भमिउय
 ति॥ भभदउं कहुं रं भदकं हुं कडुठरति॥ केचमैतिः कीम
 मैः ठद्दिभठगैः न'र'विपमभ्रगमन'वैरुयुं विमैध'ठद्दयभु'
 ठिभ्रठगैः मैठनैः॥ व'गुंतीवमनकभल'भैमभप्रैः भगभ्र
 तीभाप'गविभ्र भैगठवभ्रप्रैः हुंहुं गिहजः॥ ०१॥॥ भम्र ऊयै
 पयकै हुं हुं हुं न'दिकभ'द॥ ८॥ छिंउवभ्रय'ठिभ्रउठ'उठ
 लि'म्रीभगलि'ठिद्रिं भव'भचीभमलि'भविभग्रं भ्रगडियः
 ठरहुं भ्रहुं भ्रहुं भ्रहुं भ्रहुं म'लीनरयर'भ्रदेवभ्रु'वभ्रु'क'ति

श्रीः
 २३

कडि रगी च ग ग कः॥ ७३॥ उ न उ ग मी म ग णिः
ग ल पि ट क डि ग घ क उ णि मु द मी णि गि ट कः॥ उ व घ य णिः
म गी र क डि णिः क र क उ णि म चं मि व म क म म ची क मि म
न मि म रि म गं लें दि उ क डि क व लि उं यः म ग डि॥ म मु क रः
क म पि रें व मु म द व मु र क व डि म पि उ ठ व डे व॥ इ मु उं क म
उ रि ह डे ये व न म रि द मि म ग मु द क ली रें म ड य म
नं न य नं य मं उ उ उ कः॥ म रि मि ध म मी रं म ग ड रं क म ड
प उ य न य न म म कु प व ल न म प प त्र म॥ ७३॥ ॥ क म क ल पु

श्रीः

रभाद॥॥भापंविमं नृदृऊमयगभणभुभुतमपैदराचंयेष्टाय
सुभमदिपितेभममकलभा॥भमभुमंनैकंनयतिवनि॥॥उति
लपुडिलेकीमभामुहभयतिगवीमभुमयगभा॥॥भापंविमं
मिति॥विममेकभीकगैवयवडुपं॥भापउयभापनृदृष्ट
उभुभापभापः॥ऊमयगंऊमयगतयविमंमयंनृदृ॥उमपःऊ
मयय॥दराचंभपैभापंइकेलंष्टयेता॥देदराभदिपिकेमद
मपडि॥यभुवभममकलंकीवीएभु॥गैकगडुपभुगं॥भवतिउः
मंनैकंनयति॥॥उडितिलपुडितिउं॥मउपवविपिठलभाद॥॥र.

श्रीः

भो नृ.
१३

कंभीरिनमुते॥दरेदकरभुभुप्रचठगेपंभुपेभापियोरिकगभिषु
 डि॥सुषवदगच्चिवडिवल्लुसुयं॥उभुचंसकरवकरयेरे॥अधिक
 रकरे॥हुहुयेनभदिउंपुपुपकरहुपयेदिहुं॥अधिक॥सुषवदगेवि
 मयः॥उमचंगेदकरयेलेपाइंदिउयं॥चडडिउपं॥यद्वदरेदंभः
 पमं॥दकरभकरयेलेपादिमुविभजाहुंविमुइयभवमिधुते॥उइव
 येणर॥द्वचंसंउडिमुहुपंएयेउ॥किरप्रकरे॥विमुभकरपेगिभं
 भापेद्व॥उभुपेविभजाइंकिमुसुयंऊमसुयंद्व॥उमःभमष
 कलंयेरिंएयेदिउपप्रः॥उहुउहुलहुपभडिगेपु॥उमंभक

श्रीः

२२

उपहृते॥ उपहृमकल'हृउंउहृमुहृउंउपरभा॥ न'मिष्टायप्रवक्तुहंनय
ऊनय'ममन॥ उपहृकमसंभाउरुमुएनभरैणयैः॥ मुहृष्टक'मरमि
वउभ'उउहृक'गायेउ॥ लेठ'मेद'सुगच'सुवे'मुष्टा'द्व'प्रक'मयेउ॥ भोमिग'
मुहृभ'प्रोडिम'भ'प्या'उविष'लि'ठि'गिडि॥ यद्व'भापं'विद्व'विड'उ'वृ'य'त्रि
या'वयः॥ भम'षकलं'क'भके'मलं'येष्ट'य'द्व'भा'पिन'॥ भभा'पिभा'दौ॥ भ'प्यं
वक्तुं'विद्वं'द्व'॥ विद्व'भ'म'सं'भ'दि'उं'द्व'॥ उ'भा'पः'ऊ'म'य'गं'विद्व'भ'दि'उं
द्व'॥ उ'म'पै'द'ग'च'भ'प'गि'भ'विद्व'भ'दि'उं'द्व'द्व'॥ व'य'प'प'क'ले
भ'च'मि'द्व'भ'द्व'॥ मि'डि'ये'ग'भा'ज'प'भ'मि'द्व'भा॥॥॥ उ'म'उं'दि'प'भा'ग'भ'भ'स

यो॥ अषपांद्दि निरञ्ज कञ्च निषण भ्रल भिउ मष्टपा मपाद्दिः॥ अः कय
 मिरेण रेय मङ्ग विषये ह्ये विरिवउरीय सुहैः॥ क की मष्टुयुनः सुहैः
 मरमंगी प्रगयिह मभीगे॥ गङ्गु पुह मठ हं रर रिप विवेर उल मी ह मर
 शे॥ न भाप चू निरुष्ट भिर मभल भडि मष्टु माह मषां भु॥ इह ठिङ्ग डिगु
 मं क मल ए विलये भु पये मर मं भभा॥ कञ्च निगु मष्टु एलिङ्ग॥ रर रि
 पकलः॥ द मदि धी डि प्रच वष्टु एय भा॥ ०७॥ छीय वी ए भाप रे पयु
 पुर भाद॥ ॥ ॥ कि रती भङ्गे हः कि र निरु मठ मउ रभा॥ रु मि ह म
 डेदि भक र मिल भडि भिवयः॥ मभ द मं मभय डि मउ उ पिप

श्रीः
 भो न.
 ५५

उवरायप्रभु मधुभापयतिभणभयभिरय ॥ १॥ यभणकः इंदु
 प्रिष्ठ ॥ मसक्तुपिउवगमरु उवमधं मधुसमभयति ॥ एवप्रभु
 एवमधु मधुभापयति ॥ कीमसीकिर ॥ निजमभुमुणभुभदम
 पवभउरमभुणधुवभुंकिरती ॥ कभिवदिभकरमिलभडिभिव
 मधुकुभालिभडिभिव ॥ पउरमुउकुपंएरभुभ ॥ मधुकीमधु
 भणभभिरयभभउणभभपउप्रलिकयइरु ॥ १॥ १॥ १॥ भाप
 विभुभिडभिरकभकल यः कुलएरभभुभा ॥ उमरीअइएर
 भद ॥ १॥ १॥ १॥ उउदिहोएउतीउपरमसिवेसभभयीरिपउधभ

धुपारिकमल'र'उवकल'भा॥भदप'म'ए'हं'भ'मि'उ'भ'ल'भ'ये'र'भ
 र'भ'भ'द'उः'प'सु'उ'ए'प'ति'प'ग'भ'र'म'ल'द'गी'भा॥१०॥उवकल'भ'मि'
 भ'द'उः'भ'र'क'म'ये'भ'द'प'म'ए'हं'भ'द'भ'र'भ'म'ग'ये'उ'॥प'र'भ'
 द'म'ल'द'गी'भ'मि'म'यि'उ'भ'प'प'र'द'म'प'ति'प'र'य'ति॥इ'म'उ'कि'ल्ल
 र'भा॥भ'र'भ'की'म'म'भ'मि'उ'र'मि'उ'भ'ल'भ'ये॥ये'र'भ'ल'क'भ'र'
 प'मि'भ'य'श्र'र'मि'मि'ह'वि'ह'क'ल'॥की'म'मी'उ'मि'ह'ल'प'व'दि'ह'
 सु'ए'व'उ'॥उ'व'अ'ह'उ'प'र'म'मि'वे'श्र'र'भ'यी'अ'दे'उ'व'दि'ह'उ'प'मि'
 इ'य'व'उ'॥ध'ल्ल'क'भ'ल'र'श्र'प'ग'मि'म'ल्ल'भ'प'रि'भ'द'भ'र'नि'प'ल्ल

भयविहा'भिष्टुः॥॥॥उदुअभा॥कमिभते॥उतिउगदिउ'कंभकल'
 यच'ह'चन॥यचमव'प्रन'वह'कवर'भ'उग'लिकीभा॥अल'मिड'
 द्रग'वू'उं'द्रग'दि'ह'ल'उ'र'उ'तिभा॥ए'ये'ऊ'अ'लि'नी'मे'वी'इ'दि'इ'इ'
 र'इ'पि'नी'भा॥ध'द्र'ऊ'क'मि'नी'उं'म'क'लं'वि'म'इ'य'अ'क'भा॥उ'भ'व'
 व'क'लं'उ'पं'मि'उ'ये'र'ऊ'क'न'न॥प'वं'क'वर'य'ए'पु'क'वर'र'म'रि'
 रु'गः॥भं'भ'ग'भ'ग'ग'णी'भ'नै'ध'मी'ऊ'न'उ'मि'व'उ'ति॥॥॥३१॥॥॥उं'क'
 व'रि'इ'ऊ'म'म'यि'वि'उ'ग'म'भि'भ'क'न'अ'भि'उ'ि'मु'उं'र'छ'क'ष'य'उ'
 क'व'रि'इ'भि'उ'यः॥उ'मै'व'इ'उ'मै'मि'म'भि'रि'ण'भ'य'ए'प'प'वी'भ'ऊ'

कृष्णदेवशुभ्रदभक्तसीरशिउपम॥११॥देवच'निभयिमम
 कंभकनः॥मृष्टिंविउरप्रयसुति॥मइंमुंउंव'कुग'रुव'विहमि
 ति॥पउ'वम'इय'ह'स'य'ति'म'ध'न'ग'य'व'ने'स'ग'य'ति॥उ'म'व'इ'उ'म'
 रिण'म'य'ह'प'म'ची'मि'म'भि'प'य'सु'मि॥की'म'सो'भ'ज'को'वि'प्रः'व'
 द्वा'ण'उ'उ'रुः'प'क'म'भनः॥पउ'धं'भृ'टे'य'म'ज'टे'उ'र'नी'ग'शिउं
 प'म'य'ह'भु'भि'ह'रुः॥११॥ह'य'ह'ह'व'भं'व'प'ग'य'रि'उ'प'र'भ'न'भ'
 म'गी'र'पं'म'भु'य'प'ग'भ'पि'म'ह'ह'उ'भ'ज'उ'॥उ'ष'दि'ह'रु'पं'भ'क'ल'भ'न'
 ॥क'रि'य'नं'ज'म'ह'भ'न'भं'ज'टि'ल'म'मि'स'रु'ल'भ'ज'ट'भा॥१३॥

श्री.
 भो.
 २१

वयं ममैव भवः दुःखं यथा मयि नृदि ॥ मरीचं यथा मयि नृदि ॥
न ७५ ॥ अत्रिगदि उरभरम ॥ करल्लरदुतमकुमिडिमह ॥ उक्त
याभि ॥ उषादि उषिप्रुडिपमयभि ॥ इद्रुपं मकलमम ॥ ७६ ॥
रकुवल्म ॥ प्रवयं मेव रकुमभीग ॥ इरयनं दिले मरं प्रचं इर
यरमभीग ॥ कुमकुमरमं प्रहं प्रवमेव कुमरामभीग ॥ य
कुं मययकुं ॥ कुटिलेवरुः समीमकुः पुणेयदेरप्रदण्यदेनवउ
उविहुतेयष्टउग ॥ कुटिलममिप्रदलं यमकुं मेडि उडिहुते
यइमि ॥ कद्रण्ययेउगेरद्वीदिः ॥ प्रवंउरमकुएवंमकुएमइम

श्रीः
भो ५
५३

भीगारममियऊभा॥अवर॥ऊटिलममिरेवभभीग॥उडुमं
प्रलऊटिलममीतिठवः॥विष्णुपद॥भोदिनीउपंडुहसुचामंभ
उरंवपःऊड॥परमपिमगीरवंगीरीउपंडुउभकुमिडिमक॥उरुप
मिडमिरभोदिनीएरभऊभा॥९३॥उंएगडुउणउदरिरवडिऊ
दःऊपयति॥उिरभुचत्रेउडुभपिवप्रगीमःभुगयति॥भमप्रचभ
चंडमिदभत्रगलूडिभमिर॥भुवहूभालभृदमांकिउयेहूल
डिकयेः॥९४॥हलमांकिउयेहूललयेभुवहूलडिकये॥गहूभाल
भुप्रा॥एउरुडएगडुभभंभउभएति॥दरिचिहूगवरिरकडि

भंकरकडु॥ नमः कृपयति नमयति॥ रंस्वर्गैरिणमेदंतिगणैः॥ भ
 द्रप्रचः॥ मिवभ्रममिवभ्रचं॥ मिमभनग॥ ह्रुति॥ भ्रद्रिगीणठ
 वरभ्रपयति पुरः॥ भ्रपुनरगदय॥॥॥ उमउमभ्रवमीपिकयं
 भ्रपुभिद्रुपभंदरभिणनरगदइकभा॥ कडुपस्रविपंयभ्रडं
 नभः॥ मभ्रउमिवभा॥ विह्रुपकेपि॥ पंमरुद्रउजउविह्रुभ्रउमुउ
 टठिउवउकपुनपपडिः॥ १८॥ उडयुअमेवयं॥ डिगु॥ एवि
 उयंपरमिव॥ ठवेद्रएप्रएउवमर॥ येदविरमिउ॥ उषादिह्रु
 मेद्रदभालिपी॥ केकविकए॥ भ्रिउह्रुउमस्रमुउलिउकडिंभ

भक्तः ॥ १५ ॥ देवगमिरे प्रइउडि कुवने क मिअ ०ः ॥ उवमा
 येः य प्रए विगमिउ भ इगु ए निउ नं भ इग ए भु मे ए निउ
 नं ॥ इय अ मे व नं वृद्ध विष्क मरु अभा रुवे अ ए यउः इ अ म
 व इ द गी उि इ अ म इ द नं य मालि थी ० उ अ नि क ए म अ वि ग उ
 मे उ भि उः की म म भ ज लि उ क रें उं म भ ज ए भ क लि उ क र
 प रें उं म भु भ ज ए ये धे उ प उ डी इ जः ॥ ॥ उ जं म मे वी प र ल
 विष्क प्र ए म द भू लि मि व प्र ए म उ रि म अ भि क म र अ भ
 यः क लो नं उ उि धे इ म भा ॥ ॥ १५ ॥ व इ उ वि म र ल येः य वि

श्री ॥
 २७ ॥

विगमिड'भ'इय'प्रभपिप्र'रु'र'उ'॥ न'उ'उ'दि'॥ इ'स'र'~'ये'ः'प्र
पि'प्र'ए'र'उ'उ'भ'ने'उ'उ'उ'द'॥ उ'ष'दी'ति'॥ उ'ष'म'ग'ए'प्र'ए'य'भ'॥
ह'ह'प्र'प्र'प्र'प्र'त्र'ति'॥ ३५॥ तें'वि'गि'दि'पे'छ'इं'व'ए'ति'द'गि'र'
पे'ति'वि'ग'उं'वि'र'म'की'र'म'र'ए'ति'प'न'दे'य'ति'वि'प'न'भ'॥ वि'उ'दु'
भ'दे'दी'ति'उ'ति'ग'पि'भं'भी'लि'ति'रु'मं'भ'द'मं'भ'पे'भि'वि'ल'भ'ति'
भ'ति'इ'इ'उ'र'भे'॥ ३६॥ दे'भ'ति'पा'ति'व'उ'॥ अ'भि'रु'द'मं'भ'ग'वि'र'
दि'ः'इ'द'प्र'इ'इ'भ'ति'र'ए'उ'॥ द'गि'ति'रु'ः'वि'र'ति'र'म'भ'पे'ति'॥
की'र'पे'य'भे'वि'र'मं'भ'र'~'व'ए'ति'॥ प'न'म'ः'ऊ'वे'ग'वि'प'न'प्र'~'वि'

ये गंगयति॥ भदे श्री भदे सु भभु विगी म म म ड रं म द्वा धं विउतिः
 पग भद्र विउ सु विगउ निद्रु पि भं भी लति॥ अ भे ड रु हि मि द्वा ति
 श्री रु ति उष उ वें व यं पू ठ व ड डि रु वः॥ १०॥ उं णा पें ण ल्यः मि
 ल्यं भकल भपि भद्रु विगम नं गतिः पू म हि ट रु भ म म म र
 सु रु उ विणिः॥ ११॥ भ भं वें म म्म प म पि ल भ इ रु पिय॥
 भपद यं पद सु व रु व ड य रु विल मि उ मा॥ ११॥ य रु विल मि
 उं॥ उ ड व भपद पद यः प्र स म र न भ पे रै रु व ड॥ विल मि उ मे र
 द॥ ए ल्य सु सु रु रु व ल ए पे रु व ड॥ भकल भपि मि ल्यं ह प रें

श्री
 भे रु
 प

भद्रविगमनें ठवउ॥ गाडिभुगभनंउवप्रमद्विष्टसुभनं॥
ठवउ॥ अमरमिठेणरमिउवसुद्रउविपिः देभकमठवउ॥ मे
वेमः मयनंउवप्रमठवउ॥ अपिलेभापेनिद्रमिभुद्रय
ममठवाहेहजः॥ ११॥ छेममरेमीनेहः मियभनिमभमत्रम
ममीभभममेद्रप्रकरभकरमंविकिरडि॥ उवभिममम
भुवकभठगयउमगलेनिभमममलीवः करमगलेधद्र
उभा॥ १२॥ मीनेहमगिद्रहेमुमत्रमममीवछुभममीलझी
ममनेप्रयसुडिभडि॥ अममंद्रयसुभ॥ मेद्रप्रकरभवल

[illegible]

श्रीः
मे रुः
५०

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

तें कि गीटं वै वि छं प रि द ग प रः कै ट रु ठि मः क ० र कें टी रे भू ल
 भि रा दि रा भू रि भू ज ट भा ॥ पू ० भू भू उ प प म क भू नि या उ म्
 रु व रं रु व भू उ उ रं उ व प रि रा रें जि वि रा य उ ॥ ३ ॥ वै रि छं वू द्र
 भू भू त्रि नं कि गी टं भू ज टं प रें गू प रि द ग ॥ इ रा इ उ ॥ कै ट रु ठि म् मु
 वि छेंः क ० र कें र कें टी रे भू ज टं भू ल भि ॥ रा भू रि नि म् भू
 भू ज टं रा दि इ रा ॥ द उ रें उ रा ॥ रा द गी इ उः ॥ क सं भू ए भू प र भू
 क प रें रा र भू ॥ रा उ र भू र कं उ उ ग ॥ य उ द र ण उः ग भ र ग ल
 उ य ॥ रा दि ॥ ग भ य उ उ प र य उ उ ॥ प उ प वू द्र मि प वि र म् प

श्री.
 भू. उ.
 ५७

ॐ
श्रीः
ॐ
५३

कीमं॥ अपिलपुनधाऊरभपिपुनऊकभभेह॥ १॥ ७८५
एनय॥ भेकउअपुयेएरभएरअउउमहएपेहभित्तः॥ ३०
मंषलेपाभुविहभद॥ ॥ ॐमिवःमतिःकभःहिडिगपगविः
मीउकिरः॥ भुदेभःमरुभुमरमपरभभदयः॥ मभीह
लोपाठिभुभठिरवभरेपुपुएउ॥ रुएउवल्लभेउएरवि
रभावयवउभा॥ ३१॥ देएरवि॥ मभीउवल्लभुवनभवयव
उ॥ इमइएवउवनभउभुवयवउ॥ एकउठएडि॥ वल्लपि
एडि॥ मिवेदकरः॥ मजिभुकरः॥ कभककरः॥ दिडिउक

गः॥ अषमचः प्रचरी एवमुक्ते परती एपत्रभायु॥ गविदकरः॥
 मीउकिर लभकरः॥ अरककरः॥ दंभेदकरः॥ मरुलकरः॥ उमर
 उमरतुगभिडि प्रचरी एवमुक्ते मय॥ परभकरः॥ भारककरेदगिः
 लकरः॥ कीम मरुल सवभनेषाप ऋ इय उं प॥ डिभ ठि हल्लोप
 ठि कुवने सुगी वी एः॥ अएउ अरु उं उः॥॥॥ हलि लोपेव एग डि
 पू ल मजि रियं पर॥ हल्लोप कष्ट उं उं अ म य वै मि डू वै रु व उ॥ अ
 तय गदि उं अवे नि ली व भ उं र मयः॥ सु उं सु भ व भ उं ल भिय भ उं
 ॥ ग म उं॥ उ डि अ सु उं म उं द व म र उं॥ विह प ह॥ ए व नी प म उं उ

श्रीः
भ ३
५६

त्राभैकमेसतामभीकणते॥उवैवइइभुइइमेवभीपांभिदिप्रमइमि
उठवः॥दरिभं कचः॥कभलपडिउंकीपडिः॥राभभटवलुची
एइयनिममिहमयः॥यमएननंकर॥उभभुवैराभुभीडिए
नरीविह॥भुमपेसैएननिनगेपालपुदरभभु॥भद॥गेपालपु
दरपंमममीहं॥भनगीगेपालभइइगडडिठवः॥वमदिववैगिडिव
इभइभा॥३३॥कभगएविहभभुरडि॥॥॥॥उंभरंयेनिलकीइउ
यभिमभाहउवभने॥निणयेकेनिहैनिगवणिभदठगरभिकः॥
एपडिइमिउभलिगु॥निवइदवलया॥मिवग्रेएइइभ

वैमदिव
दिव
ययविमपे
इइपेयभा

ठि प्प उण र म ड डि स डे ॥ ॥ अं क करं ये वि भे करं ॥ ल क्ष्मी भी क
 गं ॥ ७ मं रि त यं उ व भ नं भ त्र प्र चे ऊ नि ण य ॥ उ उ इ ए ह र इ यं रे प चि
 इ भं अ प ॥ दे रि डे ॥ प के से धु भा ण क भूं ए प ति ॥ की म मा नि र व पि
 र व भ य मु ते ये भ द मे गा ॥ चे दि क भ मि क म त्त मं ठि त्र भा प भ त्र डि भ
 म भिक भु मि क्त व त्रः ॥ मि तु भ लि म श क उ रु वे ये गु ॥ भु तुः उ इ रि
 न डू क डू प ड क र डू पे व ल यः ॥ अ न ले भ पु ति ले भ त यः क र ये भु ॥ य डू
 मि तु भ लि जु ले य भु भो मि तु भ लि गु ॥ ॥ इ स्त र ल पू ल्य भ क ले
 उ र वि न डू टू क व ल या रि ॥ ७ डि य भ अ द ये भु ॥ मि व ग्रो मि र म डि

उपवर्गोसुगीभंभीलनएउवेमभि॥इइउःइभंभभदमयउः॥सुक
 दयइउंइदेउ॥इउभुउमपुयइउरकिप्यउणरइउिमउंउरिउि मि
 वये॥भदठेगरभिकःपुलइउिरभिकउउिवउः॥सषाषच
 वेमभोठयुकं॥कभेयेनिकभलवइपालिउददभेभउरिउि
 इभिकुः॥परनुदभकलभाययेषापरभैषाविउभउमिउिउिउि
 उयेयेपि॥उउेभायकिःपुनइपरेयउ॥उउि॥उउेपैरभेसुदयउल
 करः॥भायकिइल्लोपाकि-रइइपरेयउ॥उषादिइल्लोपासाःपंम
 एमोमउचविठगमिणकवउि॥उइदकररेठदकगविउमु

श्रीः
 भो न
 ५५



एणीववृद्धभृदिउरव॥नववृद्धभृद्वैवःपगवःपगवः
नववृद्धभृद्वैवःपगवःपगवः॥पगवःपगवःपगवः
पगवःपगवः॥उरवःपगवःपगवः॥उरवःपगवः
कलवृद्धभृद्वैवःपगवःपगवः॥कलवृद्धभृद्वैवः
देरीलभृद्वैवःपगवःपगवः॥देरीलभृद्वैवःपगवः
नववृद्धभृद्वैवःपगवःपगवः॥नववृद्धभृद्वैवः
देरीलभृद्वैवःपगवःपगवः॥देरीलभृद्वैवः
नववृद्धभृद्वैवःपगवःपगवः॥नववृद्धभृद्वैवः
देरीलभृद्वैवःपगवःपगवः॥देरीलभृद्वैवः

श्री
नमः
५१

भक्तं मं॥ भक्तद्वयः इ॥ भक्ति॥ भक्तं गविगमिगमि॥ सुपेणलं कु
 मिः पविरी॥ इयिपगि॥ उयं भक्तं पंगिं कंदनं सि॥ इमे
 वक्तवलील विमेष॥॥ मिमं रक्तं कंगमं इरं विम्वयपधणा
 गद्रूपे॥ विहृष॥ किं भक्तं पंगि॥ भयिडं पंगि॥ भं प्रपयिडं
 उद्रक्तं मडः मडं॥ इपगपगमं माजिगडु एउं भक्तं सुगी॥ भु
 लभक्तं विठगं त्रैलैकैयडि भक्तं क॥ कलली नउ विम्वय
 उद्रक्तं भक्तं कुपि॥ उभुपंगि॥ उयं उरकिष्टि रगमिभुउ॥
 उडि॥॥॥॥ प्रथमं भक्तं मिषदुडं रं मं भक्तं रं भक्तं यं रं॥॥

भक्तं रं

श्री.
म. म.
५५

स्त्रिउंरिवमति॥ कीरुमेरिगलेके॥ सुलेकेउरुमुतेसंप्रकमेउ
इऊः॥॥॥उषमसूतिः॥॥॥॥उइअदेठडिरमममुउरकेरभावि
हुउठडिऊउयमपिः॥उमेवठउभनरुडिभवेउमुठभमचभि
मविठडिउडि॥॥॥अइकलिकयं॥परमभुनवपदकंप्रणय
भिपगमिभनम्रीपदकंप्रणयभीइऊःमंप्रण॥मउध्वपि
मलेध्वप्रवेऊमउध्वपिगमयःप्रणरीयः॥परमभुमऊध्व
पिऊमः॥॥॥॥ऊ॥ऊमप्रपुरठमगमिभाएमवमेहैमुडि॥॥॥
उंरिमुमुउमुमुटिकविधमंहेमणरकंसिचंवऊमेवीमपि

मेव

सिवभभंरहभरिरीभा॥ययैःकडुयडुमसिकिरभभु
 एभगल्लिविप्रडुडुडुविलभडिमकैगीवरणगडी॥॥उउव
 भ्राणिधुरडुडु॥विमुडुडुकडुधुपेडुममलमडु॥भुटिकविध
 डुडुडुडुभरणकंगगरकरल्लसिवंहुभेभ्रगरवरभं॥येवीभ
 पिहभेभ्रदभंवरु॥कीरुमीसिवैरभभंरहुभहपधःहुभरण
 ररुडुलेयभुभु॥ययैहुभेभ्ररहुभेभ्रदः॥कडुयडुगदिन
 कडु॥रुभ्रणगडीरणगडुडुगीरणभडुडुःमकैगीवविलभडि
 मेठडु॥मसिकिरल्लनभभुपुंभभंरभगल्ल॥भुपल्लपडुडुडु

श्री.
 भे.रु.
 १७

भु'भ'॥ उष'रि'भु'र'द्वि'प'ये'हः॥ भ'इ'ति'गि'ह'ऊः॥ क'ठ'क'भ'ल
 क'लि'क'यं॥ हें'भे'सु'ग'मी'र'ष'मी'प'द'कं'प्र'ण'य'भि॥ हें'भे'सु'द'भ'
 मी'प'द'कं'प्र'ण'य'भि'उ'ति'भ'भ'ए॥ प'रि'उ'ई'भ'पु'ति'र'म'यः'र'
 रु'भ॥ उ'ति'उ'त्र'भ'उ'भं'ये'ए॥ प्र'ह'स्त्रे'ति'रु'भः॥ ३१॥ रु'भ'प्र'प'
 द'य'ह'ग'मि'भा'ए'कु'र'मे'व'मे'हें'भु'ति॥ ॥ ॥ हें'भ'भ'मी'ल'उं'वि'ह'
 भ'ल'भ'क'र'गै'क'ग'भि'कं'ठ'ए'दं'भ'इ'उं'कि'भ'पि'भ'द'उ'भ'र'भ'म'
 र'भ॥ य'म'ल'प'म'धु'म'म'गु'लि'उ'वि'ह'प'रि'~'ति'य'म'प'उ'मै'
 ध'सु'~'भ'भ'ल'भ'हः'प'य'उ'व॥ ॥ ॥ भ'भ'मी'ल'उ'प'कं'म'भ'न'य'

श्री.
भ. श.

विष्टुपुपमभक्तमैपंविनष्टु॥गु॥भाप॥अ॥इ॥उ॥र॥उ॥पु॥उ॥रु॥
जी॥ह॥रुः॥अ॥इ॥ए॥ल॥अ॥य॥म॥गु॥भि॥वे॥ह॥रुः॥॥प्र॥ए॥रु॥म॥अ॥उ॥की॥
इ॥व॥॥॥॥॥॥॥॥॥रु॥म॥प्र॥पु॥उ॥ए॥म॥भा॥ए॥रु॥उ॥मे॥व॥मे॥हो॥प्र॥द॥॥॥॥उ॥उ॥व॥
आ॥पि॥धु॥ने॥द्र॥उ॥व॥द॥भा॥पि॥धु॥य॥नि॥ग॥उ॥उ॥भी॥मे॥मं॥व॥उ॥ए॥न॥वि॥म॥द॥मं॥
उ॥म॥म॥भ॥य॥भा॥॥य॥म॥ले॥के॥ले॥के॥रु॥द॥डि॥म॥द॥डि॥रु॥ए॥क॥लि॥ले॥म॥
य॥रु॥म॥धि॥सु॥मि॥मि॥ग॥भ॥प॥म॥गं॥ग॥य॥डि॥॥॥॥दे॥गु॥न॥रि॥उ॥व॥रु॥म॥
पि॥धु॥उ॥आ॥पि॥धु॥ने॥र॥मि॥रु॥म॥म॥ले॥म॥भु॥व॥रु॥म॥॥आ॥पि॥धु॥न॥
भा॥लि॥प्र॥ग॥ये॥अ॥ल॥वै॥प॥गी॥हं॥द्र॥उ॥व॥द॥भ॥यि॥म॥पि॥धु॥य॥॥रि॥ग॥उ॥

मं

भ्रिउं भं वउं भं वउं सुगर भं रं उं प्रभिमिउं॥ उं प्रभिमिउं भदगी भति
मयिउं भं भयं भद मयिउं क॥ भीदे मुं भि॥ यम लं के य भुं
वउं सुगर भुं॥ भद हं ले के गी हू उगल॥ लल ए ले मर रल रू ए क
लिले भमिदिदी हं ल हं॥ कै पं र भं भं वि॥ ले कं रं सु हं म मउ
वर निमद डि भति॥ यय हं क हं॥ हं कं भल मि भद वि॥ डि
य वउं॥ उउ व भं भय भु उ प य हं वि॥ मि मि र भं प मं मे हं भ
भं म रं र प्र र ली व रं क गी गी हं उ॥ र॥ वि॥ प हं॥ ए र र भं भु भु
डि ए म म ली ए र भु भं भद गी भति मयिउं॥ ए र र भं भद गी भति

श्री.
मे. १०

रपगपदयं निषेवे॥ कीम सं॥ महु भे म भित् भय भउ सुद
 पगर भो यय उदि इउं मे म भिरी यऊं भने ए॥ कीम सु ति
 भिर म भल्ल न रं व॥ परिपक्ति मकं म्हरं क तिद म्भु
 य॥ कीम सं रं र इ करं परि म्भु ति उं उ म्भु प व दे न उं
 परः कीम सं॥ दग कुपे म्भु पु कु भं व ड सु रे म्भु दे म्भु उ पुं॥
 उपिउ मउ कु विह कु म्भु पिण उः विषु॥ दिउ व नं डे ले कं व च
 उं भिह उं॥ रु भ प्रो पि प किर ग मि भा ए म्भु व म्भु ह पु द॥ २॥
 उं उ व ण म्भु ल म्भु म्भु यय ल म्भु प ग य र व इ नं व म्भु र व

श्री.
 मे न
 २३

रमभदउ'अवरएभा उठहमउह'भनयविणिभादि सुंम
यय'भन'षाहंएएएरक'एरनीभ'एगदिमभा ॥ ॥ ॥ उव
इमणिषिउअले सुण'गेमउइममलेभल'एगम'ल'मु
म'एरभेमिउचउं ॥ उअर'भभय'एमह ॥ भदरव'इ'र
व'उ'एइकंभदविह'इकं ॥ यइप्रवेउं ॥ रववृदकुपंरव
प'अ'ल'इकं व' ॥ वसुउ'रवग'भउपं ॥ रभवे'रभउडिमु
उं ॥ रवग'भ'अहिरय'यइउ'म' ॥ यमदउं इहंर'ए'वि'म
ध'मु'अ'र'भ'अहिरय'कं ॥ व'भ'उ'इ'उ'पि'प' ० ॥ ७उ'ह

य
+

श्री.
मं. न.
७७

भरुं हं ल'मु सु द'दि र'ट'र'व'इ सिव'ह'भि'मं॥ ए'ग'ग'ल'न'र'र'र'
री'भ'उ'भ'इ'पि'इ'य'उं'ए'ल'ए'उ'भ'॥ की'रु'म'ह'भ'रु'ह'भ'रु'य'
वि'णि'भ'इ'इ'॥ य'य'य'भ'र'ष'ह'भ'द'भ'भ'ग'र'उ'र'ए'ग'इ'इ'डि
भ'र'भ'र'य'॥ य'य'य'क'र'~'य'भ'र'ष'ह'भ'दि'उ'ह'य'इ'इ'भ'
इ'उ'॥ मि'भ'ह'मी'लि'उ'र'ग'दे'~'य'ष'प'च'ए'ग'इ'इ'उ'॥ उ'उ'॥
भ'भ'उ'पे'~'ल'भ'उ'~'व'॥ भ'भ'इ'क'ह'मे'वी'दि'व'ह'ए'ग'मि'मं
भ'उ'पि'इ'भ'इ'उ'॥ भ'उ'पि'उ'ग'व'पि'प'इ'ए'उ'नी'धु'डि'म'य'र'र'ह'उ'
उ'उ'डि'र'व'॥॥॥ उ'म'नी'भ'उ'ए'मि'म'~'उ'उ'सु'डि'॥॥॥ ०॥

四

भुवि एतः कम् कं किमिति ॥ पिध ॥ वृद्धि एत यज्ञी हुक् ॥ ५७
 उं प्रनेउ प्र' उं र भुलि उ मलि उ श्री वग वं प्य व अ यं ल्लु मि
 उ ग रि ज म भं उ व मि वे ॥ य मी यं भे गं हं भ द ए भ प ल वं भ भ र मे
 व भ उ भि म उ व ल भ प र व ए वि ए पि र भा ॥ ॥ दे मि वे ॥ उ व
 मि ज ग रि म यः म ल क भ भ दः ॥ नै भ कं प्र' उ म ल्लं प्र ने उ व म
 य उ ॥ की म मं ड लि उ भ प भि उं ॥ म लि उं वि क मि उं य मि श्री वं प्र'
 भ क भ ल उ व वं य र उ उ ॥ प्य रं नि वि कं म उ ड्ढि गं ल्लु म्मा उ उ
 उ ॥ अ ह्म भ भु ल उ गी यं मि ज ग रि ज म भं ॥ यं म गं हं भ द ए भं भ'

श्री.
 भो. भं.
 ७२

[illegible]

श्री.
मो. ५.
७५

कवरीरु॥ केमपमाएवतिभिग्भन्नक॥ उष्टुविधं क'तीरं
द्विधं भिउध॥ तिभिग्भन्नक॥ उष्टुविधं क'तीरं
विशिष्ट॥ गदीउंरवीरककिरल'ल'मिहभयापमिव॥ प
रः कीममी॥ उवमंरष्टुय'भे'दलदगील'वष्ट'उगङ्गभुक्त
गीव'द'जंयङ्गुः उष्टुभगल्लिः पू॥ लिक्केवपगीव'दो॥ र'भे'द
उणालवदिभगल्लि'उंर'भे'द'दष्ट'उष्टुपगिप्रगिउं'प्रष्टुउ॥ वि
ष्टुपदो॥ गीम'ग'क'ल॥ रवीरककिरल'वदती॥ उवमीभम
गल्लिः भमदोभे'उंर'उ॥ कभिवमिष्टुगभिव॥ म'उ'प'व'मीभ'उ

पमपमसं॥कुत्रंहुंभान्गिडियहिलिपिउंप्रक॥म्म॥प॥उं
प्रगलेः प्रकृष्टमलिकलदभक्कीकिगलके॥पगीउंउवकुं॥
पगिदभउिपहुंनदममिभ॥दग्मग्ममिभूमरमपिकि॥
ल्लुल्लुममिगेभगवैभहुतिभ्रमभसरमद्वमप्रलिक॥॥
प्रलिकेः कुंउलैः पगीउंवैषिउं॥उउववकुंभापंयकुं॥पहुं
नदममिंकभलकउिंपगिठवउिउिगभ्रुंउि॥कीनमैगलके
गलिकलंरुभगभअदंदम॥उीडिप्रलिकलदभक्कीः म
हयेधंउं॥प्रलिकभलमीकिः॥प्रलिकलदभभ्रकंउि

ऋगिहृजः॥ यश्चिब्रुम्भरभषरधुमभेः मङ्गैष्टवभषलिदः
 रुभरभ'हृति॥ कीम्भमभरभ'गंधदिकभिउ॥ ममरभम
 येमनुक'उय'पवकिस्तत्क'तिकेभरहृद'मक'रि॥ उैमगिर
 भरेल्लभगात्रेभेरुम'लिरि॥ २॥ विष्णुपद॥ देभरभषर॥
 भ्रगल्गोपीः भषा'गीहृजः॥ यद्वा॥ रुज'र'भ्र'भ'प्र'ति॥ यश्चि
 म्र'दः भषलिदेभ'हृतीहृत्रयः॥ २५॥ उैलला'ल'च'हृ
 हृतिभिलिउ'भ'रु'तिउ'वय'द्वि'गीय'उ'म'हृ'भ'ज'हृ'म'मि'ए'रु
 हृमकलभा॥ विपद'म'हृ'भ'रु'हृ'य'भ'पि'भ'रु'य'भ'मि'हृ'भ

श्री.
 भ'रु
 ७

पलेपुद्रुतिः॥परि॥भडिगकदिभकरः॥उवललललल
वष्टरभेदे॥इहकहुमविभलयमठडिउडा॥भक्त
एमिपडुष्टिडीयंसकलपमंभट्ट॥उइदुडभद॥
विपदभट्टभमरुयभपिमंप्पट्ट॥मिलिउंयमरुवडि उम
भणलपेनमुतिः॥एडयेकीठव॥यइभगकदिभकरः
प्रलिभममुःपरि॥भडिमभदुडउडुडुः॥॥॥उंकूव
कुग्राकिडिडुवनरुयमरुवमसिगइमीयेनइहुंभयकम
मिहुंयउगुल॥एवमंभट्टउगकगगदीउंगडिपडि॥५

के प्रभु म भुगवतिरिगुरु उगभिम्भा ॥ ॥ ॥ दे उवनरुयक
 वृभविनि ॥ एगगुरुयकसूरमीले इमेहमीयेरुव ॥ भवैउगक
 गगदीउ ॥ वभदमुहूउरिगुरु उगभ' सु' मिउमए ॥ गतिपतिः
 क'मः ॥ प्रके प्रभु म भुगवति सु क' मयति उतिमह ॥ की सु
 मेकिप्रिगु ग्रंथ सु ॥ भपकगमिहं ह' भगडल' हं ॥ प उग
 ल' मे ती य इउ ॥ २ ॥ ॥ ॥ उषदः सुतेमहं उवनरयनमहं इउय'
 दिय' भ' व' भं उ' भ' एतिगएनीर' यकउय' ॥ इतीय' सु' प्रि' सु' म
 रगलिउदेभ' सु' ए' न' मिः ॥ भभ' एउ' म' हं' मि' व' म' नि' म' य' र' उ' म' गी' भा

श्री
 मे' म'
 ७१

उवमहिं रयरभक ककउय ॥ अर'क कइउउः श्रदः प्रि
वंभुउभ एणति ॥ व'भं रयरंग एणरी र'य कउय ॥ म'मू इइउः
इय'भं गइंगभ एणति ॥ उ उवइ डीय'रुषिः ॥ ठलभ'पिउ
म'गल्लिउदेभ'भु एणरुमि ॥ गीषडि कभिउकरक कभल
क'तिः ॥ दिवभरिमयेः प्रिरग'इः ॥ अउरमंगीभ'एवाडिनी
भ'हं भ'भ'पडे एणरयगीइउः ॥ २३ ॥ छं विम'ल'क'नु' ॥
भ'रु'रुमिगयेष्ट'क'ल'यः न'प'प'ग'प'र'कि'न'पि'भ'व
र'हं गवाडिक' ॥ अ'व'उ'नी'रु'षि'मु'च'इ'र'ग'ग'वि'सु'ग'वि'ए'य'

प्रवंतउत्रमहवदग॥ येगुं विणयउ॥ ॥ ॥ उउवमृषिचि
 णयउउउत्रयः॥ कीमृमृवद्वरंगग॥ विभुगमुविम
 लउ॥ गु॥ मुविणय॥ किकवउ॥ उ॥ मं॥ उ॥ मं॥ रगगी॥
 रमृमृवदग॥ ववदगमुकुगु॥ वद्वरंगविभुगविण
 यउिप॥ ॥ वद्वरंगग॥ विभुगमुविणय॥ य॥ मं॥ उ॥
 मृषिविम॥ ॥ उउत्रमहवदगयेगुइमवमृमृयउि॥ ॥
 विमल॥ विभील॥ विमल॥ रमृरगगी॥ क॥ क॥
 गु॥ विमिपु॥ ग॥ वरंगगीम॥ मृ॥ मृ॥ मृ॥ मृ॥ क॥ उ॥ ॥

श्रीः

मं बलये रिमी वरे स पक्षी भङ्ग ले स॥ अये ए ये दुभम ह॥
सुये ए र भव गगी॥ क पा ग ग यः क न ट प्र व द भ ट ग कु उ
ग ग र भव गगी म॥ कि भ ट रि च मी नी य भ प र भ रै द र गु ॥
भ घ र र भ द ड र गगी म॥ भ प र भ प र क ड र गगी भ प र रि दि
डे डि वि सु के मः॥ ठे ग व डि क ठे गः प्र भ उ द्दु गी॥ कः अ जे॥ ठे ग
व डी पा उ ल र गगी म॥ सु व डी ठ ज ए र र व डी॥ सु व डी र भ व गगी
म॥ म॥ क वी र भ द ड सु व क भ क र डे क ठ डि उ॥ क ए व डे व
प ह भ र क ल ठे क ल व ग ल भा॥ सु भ उ डे म पु उ व र व र भ अ

श्रीः

मउगल वभय भभक मलिक रय रं किं सिमन भा ॥ ५ ॥
उवा लिक रय रं लल एले रं क ॥ कए हं हं हं पा व पा झ वि
भ्रर ॥ उव व क ल ह भ र क ल हं व ध म व ल के ॥ कल युगलः
भभ ॥ मधु ॥ प्रभय भं भ ज अ क ल प द उ ग भ र ठ व र हं भं
प क उ ॥ प्रभ ॥ रं किं सि वि उ के ॥ कल युगल की म मं क वी
रं हं भा मी रं भ र ठः व भु ॥ भ प व भु व क भु इ ये भ क र ठः ॥
म झ र मि र भ भु र के र ठ रि उ प्र ल ॥ ह भ र क ल हं की म मे ॥ र
व र भा भ म उ ग ले ॥ म झ र मि र भ भ म ले ल प्रे ॥ विह प हं

श्रीः

भो न.

२७

ॐ भिंद भुइ ठि प्राये ॥ लला ए ले मर वल्लर ॥ भालि दामि
 मभ भुंठ वि ए म मा म इ स र ह ग ॥ ए न र भु क र भु ए डि न य
 ॐ लिले ल म भु प ॥ ४ ॥ ॐ हं प उ म ल म र भ नि सं रं पु र म र
 ल म भु ल ए क भ म र क म नि म यं व र ॥ भिंदं वि कु भा ॥ ७ ॥ उ उ उ उ : र ॥ ५ ॥
 ॐ मि वे म भु र म उ मि उ र भ अपे ऊ म र प र ॥ भ र ध म भ यं गि रि म
 म रि उ वि भ य व उ ॥ द र दि के ठी उ म र भि न द भे ठ ग ए यि री
 भा पी भु भ र उ भ यि ए य उ म भि भ क र ॥ ५० ॥ ॐ मि वे म भु
 र म सं रं म भु र म भ र म ॥ उ मि उ र भ अपे उ र व भ अपे ॥ ऊ म र प र

ਗੀਠਕੁਰਮਵਤੀ॥ ਗੰਗਾਯਾਂਸਿਵਸਿਰਸਿਵਤੁਮਾਰਯੰ॥ ਮਾਪਤੁਭਰ
 ਖਤਿਰੇਭਰਮਾ॥ ਗਿਰਿਸਮਧਿਤਪਰਮਾਰਿਨਕੁਰਲਮਧੁਦਿਧ
 ਗਲਕੁਪੇ॥ ਵਿਭੁਯਵਤੀ॥ ਸਰੇਰਕੁਤਰਮਾ॥ ਦਰਸ਼ਾਦਿਏਠੀਤੁਰੇ
 ਠਯਾਰਕਰਮਾ॥ ਮਰਮਿਨਦਲੰਕਮਲਾਨੰਮੋਰੁਦੰਤੁਭੁਯਾਧਿਰੀਤਿ
 ਵੀਰਮਵਿਠਵਾ॥ ਮਾਧੀਧਮਿਵਰਗਾਧਿਪ੍ਰਤਪਰਮਸ੍ਰਮਾ॥ ਸੰਖਰੁ
 ਭੁਵਤੀਯੰ॥ ਮਧਿਧੀਰੰਮਕਨਕਨਟਰਮਾਵਿਧੁਤੁਤਵਮੁਧਿਲੇ
 ਧਤੀਤੁਤੁਯਾਰੀਤਿਪਾਠਃ॥ ਮੰਤ੍ਰੇਧਰਮਾ॥ ਪੌ॥ ਤੇਂਗਤੁਕਲੁਕੁਲੰਗ
 ਨਤੁਤੁਵਪਦ੍ਮਲਿਧਧੀ॥ ਪੁਰੰਠਤੁਤੁਤੁਪ੍ਰਸਮਮਰਮਵਿਧੁਵਲੁਠ

ਸ੍ਰੀ
 ਮੋ
 ੧੦

श्री

ले॥ उभरेइ गेइ पगपडिऊ लेउं भकलिके॥ उव' कल नुपुभ्र
मगविल भंकलयउः॥ प॥ दे गेइ पगपडिऊ लेउं भकलिके॥ गेइ
प॥ श्रीउं पगयती डि गेइ पगः पवउ॥ सुधं पडिगी सु री दिभालय॥ भ
भुऊलं वंस भुभे उं भकलिके॥ ऊधल करक सुउ प॥ उव भरेइ॥ सु
कल नुपुभ्र मगविल भंकलयउः॥ कल पदउ नुपु क भभाज मीठं॥ क
लयउः मीठयउः॥ नैइकी म म कल हलं कल विक एंगउ पूपु
गमउ उव वल पदना॥ पदना लि मगती पगयती॥ पगं ठेउ विवभ॥
पुमभर भविम वल दले मगति मगगी करल दले॥ पुये एग भवद

लंमलंययेरिडिपरिउंउपकभा॥५३॥विठऊइवल्हृरुडिकरिउ
 रीलाएरउय॥विठडिइत्रेइइउयभिमभीमरमयिउ॥५४॥
 पुंमेवमूदिदरिऊमूरपरउ॥५५॥विठऊइवल्हृरुडिकरिउ
 यमिव॥५६॥देरंमरमयिउमिवरल्ले॥इत्रेइइउयभिमभीमपर
 उरुलयंगउरा॥५७॥मूदिदरिऊमूरवल्हृमदसुररा॥५८॥
 पुंमरणमूइउमउडिगुअरंइयंविठमिवविठडि॥कीममंरइइ
 यं॥५९॥रुडिकरिउरीलाएरउयमभ्रमृष्टाभाणरउय॥विठऊइवल्हृ
 विठऊमभ्रमृष्टाभाणरउय॥विठऊइवल्हृरुडिकरिउ

श्रीः
 मं ३
 १०

भुवनयनेगमुचपकिउ॥ प्रहृषेप्रुः वहुसु मपएकपएकुवल
यंकतिः कभलेणदति॥ मिमिगई विष्पएहेंद्रु प्रविमति॥ गण
विहृणरमु॥ गई निहृउयतिपुति॥ मिबभचकंदटं मइपल'यउ
उडिल्लेकप्रभिहृ॥ ५५॥ उंविभेभेमेध'हृपल'यभमयंयतिणगई
उवेहृभ'भुउणगलिप'ग'णमुउरय॥ इममेध'हृउंणगमिमभमे
धंपूलयउः परिइउंमहृपरिहृउरिभेध'भुव'मः ॥ देणगलिप
ग'णमुउरय॥ मेल'णिगणभुउ॥ उवरिभेभेमेध'हृभ'भिभीलेमील
ह'हृणगजीप'क्षी॥ प्रल'यंर'मभमयभयडिंय'ति'प'भेगीतिभउमुद्रः

श्रीः

हृदये धातुवले करे श्रीलन हृदं प्रमदुत भमे धं रांग गता ॥ पुलयउभं
 दगउ भुवम मभुडं पगिहउ रिभे धः ॥ ३ ॥ श्रीभीलन उतिमद्वे ॥ उक्
 यभीहृः ॥ ५ ॥ ॥ उम म म्प्रीय भु मगमलि उनीले लन म मवीयं
 मेमीनं अपयनपय भमपिमिरे मरेन यंग उठवतिन मउ द सिगिय
 उवने वद हेव भमकगरिप उदिभकः ॥ ॥ ॥ मिरे ॥ नपय क
 भमपिमवीयं भं मगवतिनं मीनं मः पिउं ॥ म्प्रीय भु मी उउगय मम
 मगमलि उनीले लन म ॥ गंधदिक भिउ भु भं गैरा क उ म पु ॥ अप
 युनं न अपनेन यंग उठः नप र पञ्च ॥ परभु उवद रिः क उतिउठवति वने

श्री
 मे
 १७

श्रीः

कनकेदंष्ट्रगुदं॥दिभकरसुदुभःभभारकरप्रभरैयभुभः॥य
विधणीभभुपिमदुभु॥वरैयदुवपदुपातः॥उषउवपिनिक
एभ्रपदुपातै॥भयिदुवरभुतमपदुपातः॥भभमिउउडिकवः॥
उंभुवभंउपातीयगलभगरणउउभयै॥नकेधभाणउउभभ
नरकेभउउउकभा॥उरस्त्रीरैयइसुव॥पषभभुदुविलभ
त्रथाङ्गदुभभैमिमडिसरभभुवरपिध॥भा॥५३॥देशगुगण
उनयेपचउगणप्रडि॥उउवगलेवरुंकरलंमपातीयगलं॥केधं
मकभकदुककेउकंनणउरणउयडि॥अपिउभभंभाणउयगीइ

५१

[illegible]

श्रीः
॥ ३ ॥
१५

हृगऊयः भूमतिउवमउकुमममः प्रवहे भूमं यानयउकलं विद्रु
भलउ॥ रविभुंइ विभुप्रुतिठलनठवममलिउं डलभएरं क
षभपि नलएउकलया॥॥॥ देभमति॥ प्रुणहभुमवैरगऊपालोदि
उयामउकुमममएगकउः॥ भूमं प्रवहे॥ विद्रुभलउउदिठलं
एनयउ॥ विभुंकलयैकमेमनपि॥ कषभपिभुनउलभएउं
नलएउमपिउलएउेव॥ कीममंविभुं॥ इविभुप्रुतिठलनलठ
ममलिउं॥ इम्रुतिप्रुतिविभुवममूऊ॥ मगिभुप्रुतिठलनंतिऊमि
ऊ०॥ उइमविभुम्रुदप्रुतिविभुमुरप्रुतिठलनं॥ पकभुलठमिति

श्री
गुरु
१०

ल'कः ॥ ७७ ॥ ह्येभिः उष्टुं द्रु एलं उववमनम रुष्टु पिवउं म
कैर' अम' भीमतिर मउय' मद्रु एणदिभ' ॥ अउमु मीउं मोगमउ
लदगीम अममयः पिवति अ सुतं निमिनिमिह मंकद्रिक
णिय' ॥ ८ ॥ उववमनम रुष्टु मपि मेः भिउभीधु मपरष्टु
अउम' एलं ॥ मअलं पिवउं ॥ मकैर' अम' मतिर मउय' उउम
एउय' ॥ मद्रु एणदिभ' अममिग' भीउ' ॥ अउदेउं ममिर' म' म
उमकैर' अमममयः मउः कद्रिकणिय' अम' अलवउ' ॥ नि
मैर' इ' ॥ ह' ममति मयेन मीउं मेस्रु अ' ॥ ममउलदगीम

णं पिवती इतः ॥ १७ ॥ ॐ अविमृते पद्मः गुणगण कष
 भ्रुनराणामणपप्रधस्तुयउवराणानिणिहणयतिम ॥ यम
 गभीरयः मृदिकमधमस्तुविमयीभरभृदुअतिः प
 रिभमिभलिहवप्रध ॥ ॥ देणमनि ॥ उवणिहणमभरवि
 णयते ॥ पद्मः मिरभुगुणगण कष ॥ ॥ पद्मस्तुवै ॥ ॥ ॥
 दिणल्लरभु ॥ ॥ भुभ्रुनररवउररराणम ॥ ॥ उउममवगूद ॥ ॥ वैभ
 ऐर ॥ ॥ उमकरमगूद ॥ ॥ भद्रपल्लह ॥ ॥ मज्जिकणपप्रधस्तु
 यमृदिभमृकति ॥ ॥ यमृणिहणय ॥ ॥ ॥ भृभृभीरयउपविभृ

श्री
 भद्र
 ११

डेस श्री श्रग ॥ यमं मरुगभिपुगदगनिमं लुं उरविभाणे ॥ मि व
 निमं लुष्टुठुहृद ॥ विगिष्टुष्टुपेष्टुः ॥ यद्रेष्टुविष्टुठिः ममिमि
 मिगकद्रगणवल ॥ ममिवकिमिगः मीठलेयः कद्रगमुनणवलः
 सुठः ॥ ममिमकलकद्रगणवल उठिष्टुपः ॥ उडममिमकल
 मद्रापः ॥ कद्रगं मउद्रवल उडुः ॥ उडवमनंभापं ॥ उडुलम
 कलः ॥ पः विलभुते ॥ मद्रमद्रमिकय गद्रुते ॥ मद्रमेवद्रुह
 गद्रुते उडुः ॥ ७५ ॥ उडविष्टुगयडुविविणभरणंयमुष्टुः
 इयगव्वुवडुमलिउमिगभभपुवमरा ॥ इमीयेष्टुपरेगपलपिउउडु

ललिउवमभ
 उडुमवे

मुपमनं उडिपः

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

पार कुलउय ॥ करगूदं सभे आप भऊर कडं गिरि गिरि सुते कस सुगं
 भभुवमि वक भो पभुगदि उभा ॥ २ ॥ दे गिरि सुते ॥ उवमि वकं कष
 दृगं ॥ केन प्रकरो ॥ कुभे वल यमः ॥ उइदे उः ॥ उणपभुगदि उं भभ
 सुप्रियोगिनं ॥ उपभन सु विरद उ ॥ उदिर गिरि ॥ दिम लयेन
 भद्रचंगं वगं ॥ वकुलउय पशे सदेन ॥ करगूदं दसुगूदं दसु
 गूदगैर भभुगिगीमैर मिवेन ॥ अणपार कुलउय भद्रनम भुभ
 उलिउं सभे ॥ संकलु ॥ रुवडी इभ सुभुभुभुमिव सुकगु
 दं करगूदं येगुं ॥ आप भऊर सुभाप मव सुकडं मभु मिह उः ॥

॥ श्री ॥
 ॥ भो ॥
 ॥ १७ ॥

श्री

उहृङ्गः॥०५॥ छं गले गेण भिभूगुडिगभक गीडेक निधं विव
दं मष्टरइदिगु गुं भाष्ट प्रडिडुवः॥ विगएउनर विणभपगर
ग'क'रडुवंइय'अ'ग'भ'अ'भिडि निधभभीभ'र'उवउ॥॥॥ देग
डिगभक गीडेक निधं॥ गडिमुउडुडुपल्लरंडुधगभकं लपकं मे
गीउम'भुं॥ गीउरिडि विविमेध'अ'रि॥ उधरिपल्ल गउग॥ वमुउमुग
डि॥ गगभझीउंगभकः॥ भूयिभ्रगभ्रपरः परः अंधं गीठं भभामि
उङ्गभ्रभ्रभ्रभ्रः उङ्गभ्रभा॥ गडिमुगगभझीउं यमुल'पः प्रकीडि
उः॥ गभकं भाष्टरगभ्रपविठवैगभ्रभ्रकः॥ गीउं प्रभ्रभ्रभ्रभ्रगल्लि

ਸ੍ਰੀ:

ਤੁਪਾ ਭ੍ਰਿਧਾ ਭ੍ਰਿਧਿ ਮਾਂਧਾ ਰੰ॥ ਪੜ੍ਹ ਗੁਰ ਮਮ ਪ੍ਰਮਾ ਗੁਰ ਮਪਦੁ ਮਘਾ ਭ੍ਰਿ॥
ਭ੍ਰਿਤਿ ਵਿਧਿ ਮਮੀ ਮਾਂਧਾ ਰੰ॥ ਪਰ ਮਧੁਰ ਕਲਦ ਵਿਧੁ ਰੰ ਗੁਰ ਮਾਂਧਾ ਭ੍ਰਿਤਿ
ਧਿ ਵਿਧਿ ਮਮੁ ਰੰ॥ ਮੀ ਮਾਂਧਾ ਰੰ ਮਦੁ ਮਿਧੁ ਤੁਪਾ ਭ੍ਰਿਤਿ॥ ੭੭॥ ਭ੍ਰਿਤਿ
ਲੀ ਮਮੁ ਰੰ ਤੁਪਾ ਰੰ ਲਤਾ ਰੰ ਮਤੁ ਮਾਂਧਾ॥ ਮਤੁ ਭਿਧਿ ਮਦੁ ਮਰ ਮਿਧਾ ਰੰ
ਰੰ॥ ਮਤੁ ਭਿਧਿ ਮਦੁ ਮਰ ਮਿਧਾ ਰੰ॥ ਮਤੁ ਭਿਧਿ ਮਦੁ ਮਰ ਮਿਧਾ ਰੰ॥
ਮੀ ਧਿ ਭ੍ਰਿਤਿ ਮਮ ਮਮੁ ਰੰ ਧਿ ਧਿ॥ ੧੦॥ ਮਮੁ ਲੀ ਰੰ ਗੋਲਿ ਰੰ
ਰੰ॥ ਮਮੁ ਰੰ ਮਤੁ ਮਾਂਧਾ ਰੰ ਤੁਪਾ ਰੰ ਲਤਾ ਰੰ ਰੰ ਰੰ ਰੰ ਰੰ॥ ਮਮੁ ਰੰ
ਰੰ॥ ਮਮੁ ਰੰ ਰੰ ਰੰ ਰੰ ਮਤੁ ਭਿਧਿ ਮਦੁ ਮਰ ਮਿਧਾ ਰੰ ਰੰ ਰੰ॥ ਮਮੁ ਰੰ

ਸ੍ਰੀ:
ਮੋ ਰੰ:
੩੦

ਸ਼ੀ

ਰਾਗੁ ਮਮਾਪੁ ਮੁਖ ਮੁਕਤ ਰਾਗੁ ॥ ਸੁਰੁ ਕਰਿ ਪੈਸੁ ਦੇਸੁ ਮੁਖ ॥ ਰਾਖਿ ਮੁਖ
ਤੁਮੁ ਤਿਉ ॥ ਸੁਰ ਮਿਖੁ ਰਾਗੁ ਤੁਲੰ ਸੀਖੁ ਮੁਖੁ ਕਰੰ ॥ ਮਮੁ ਧਗਪੁ ਮੁਖੁ
ਸੁਰੁ ਮੁਖੁ ਤੁਲੰ ਰਾਗੁ ਮੁਖੁ ਮੁਖੁ ॥ ਪਿਯਾ ਮੁਖੁ ਰਾਗੁ ॥ ੧੦ ॥ ਤੁਰਾਪਾ ਰਾਗੁ ਮੁਖੁ
ਤੁਰੁ ਰਾਗੁ ਲਿਖੁ ਰਾਗੁ ਵਿਦੁ ਮੁਖੁ ॥ ਕਰੁ ਮੁਖੁ ਤੁਰੁ ਕਰਿ ਮੁਖੁ ਮੁਖੁ ਮੁਖੁ
ਮੁਖੁ ॥ ਕਰੁ ਮਿਖੁ ਮੁਖੁ ਤੁਰੁ ਰਾਗੁ ਵਿਦੁ ਮੁਖੁ ॥ ਪਰਿ ਮੁਖੁ ਰਾਗੁ ਮੁਖੁ ॥ ਕਰੁ ਰਾਗੁ
ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ ਮੁਖੁ ॥ ੧੦ ॥ ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ ਮੁਖੁ ਤੁਰੁ ਰਾਗੁ ॥ ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ
ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ ਮੁਖੁ ॥ ਵਿਦੁ ਮੁਖੁ ਤੁਰੁ ਰਾਗੁ ਮੁਖੁ ॥ ਕਰੁ ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ
ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ ਮੁਖੁ ॥ ਸੁਮੀ ਰਾਗੁ ਰਾਗੁ ਮੁਖੁ ॥ ਸੁਮੀ ਰਾਗੁ

ਸ੍ਰੀ

ਪਾਠ ਕਤਿ ਵਿਸੇਖ ਲਾਭਾ ॥ ਤਮੇਭ ਤਿ ਪਾਠ ਮਥੇ ਮੇਰੇ ॥ ਕੀਰਤਿ ਵਿਦੁ ਰਤਨੁ ਲਛ
ਸ੍ਰੀ ਲਾਲ ਲਾਭਾ ॥ ਕੁਲ ਲੇਖ ਪਤੰਧਿ ਮਿਕ ਮਿਥੁ ਤਮ ਕਮਲੇ ॥ ਕ
ਮਲੇ ਕਲਯੈ ਕਮੇ ਸ੍ਰੀ ਮਾਮੁ ਮਾਮੁ ਚੁਣਾ ਤਿਐ ਤੇਰੇ ਟੇਰੇ ॥ ਕਮਲ ਮ
ਥੁ ਤਵ ਕਰਾਨੁ ਤਵ ਤਿਥੁ ਤੁ ॥ ਕਮਲ ਰਮੇਵ ਤਵ ਕਰਾਨੁ ਮਥੁ ਕਮ ਮਿਥੁ ਮਿਤਿ
ਠਵ ॥ ਵਿਲੁਪਕੇ ॥ ਤੁਛ ਪੂਰਾ ਲਾਭੀ ॥ ਪ੍ਰਮਾਣੁ ਸ੍ਰੀ ਪਰਿਖਾ ਵਿਦੁ ਤੇਰੇ ਮਥੁ ਮਿ
ਥੁ ਮਿਥੁ ਮਾਨੁ ਰਾਨੁ ਤਵ ਕਰਾਨੁ ਮਿਥੁ ਤੇਰੇ ॥ ਤੁਛ ਪੂਰਾ ਪਰਿਮਾਣੁ ਯਥੁ ਤੇ
ਰੇ ॥ ਤਮੇ ਕੁਮਾਰ ਲੇਖ ॥ ੧੦ ॥ ਤਮੇ ਮੇਰੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪਵਨ ਪੀਤੁ ਮੁਰਧਨੁ ॥ ਤਵ
ਮੇਰੇ ਪੇਸ਼ੇ ਦੁਖ ਮਤੁ ਮਤੁ ਮਤੁ ਮਤੁ ਮਤੁ ਮਤੁ ॥ ਯਮ ਲੇਖ ਮਥੁ ਕੁਲਿ ਤੁਛ ਮਥੁ

श्रीः

एव कः॥ चक्रभेदेन भुपैरिभधतिदभुनगति ति॥ १७॥ देवे विह
उरमीले॥ भभंयगपमेव भुनः कति के ये वि॥ वमरे गल्मः॥ उहं
पीउभाभुमिउं॥ भउउप्रभुउभापं भमह रक्षीरभापं॥ उवभुनयगं नभ
कं पिमं मुक्तं दगउनमयउ॥ यदुरभाले क्क मकयउके॥ जालिउं ह
इयं भवे यभुउपवदभएवकः॥ भुनयगभुनभुहभाउ॥ देवभुगल्मः
भुनभे विणभभुके॥ दभुनगति तिमीपुं भुमति॥ तिपुउं क नवे तिम्
भुविगययति तिठवः॥ विष्णुपदं भुनगी गेपालातिपुय॥ भुनव
भुनभा॥ १७॥ उं भुभुउं वदं एव भउभभा लि क्क लम्॥ नभभुदभु

ॐ॥ पूडा पूडा भिमा पूडा विण यिन की डि भिवु ॥ १५॥ देस भुभा ॥
उव ऊ मा ठगः॥ भऊ भलि ठि भुभा वुं प्य पि ॥ भभलं निमलं द
रल ठिकं वदति॥ भऊ भलि ठि की म मेः॥ भुभुभ म न रणे ग ए भुभु
भुऊ भुप व पूठ डिल म आ रं ये धं डैः॥ विभु ए म मि ठि र ए र विभु क
डि ठि॥ भुभु म पु म व लि डं ठि न व ली लं डं॥ क भिव पूडा पेर ले दि उ
व ले र व भिमा भभु डं॥ पूडा विण यि रे भ दे स भु की डि भिव॥ उषा म ग
ए भुभ भा र ल र॥ यः मि व भु पूडा पेर य म की डि भु भिव॥ उव ऊ मा ठग
भु ठ डी डि ठ वः॥ १५॥ उव भुभु म न रणे ग ए भुभु
उ दि न गि रि क रे रु म य उः॥ ५

पगलि पग

श्रीः
ओं
ॐ

五
十

ਨਤੁਜਤੰਮ ਦੁਬਤਿ

ॐ भिर गिर वतुः भुर भुजल रै भावलिलता ॥ लवलं भुजुं उं उं भुभम
गतेणैरुतुं ॥ रतेलीला गं किं भपितवर कीतिगिरिणे ॥ विलङ्गं भि
दूजिगिरिमयनं विरायते ॥ १३ ॥ देगिरिणे ॥ उवरा की ॥ अरेर प्रकरं
विरायते भवे कं घं वतुं ॥ प्रकर भवद ॥ भिरः भैदमालीगप्रय
वतेरुभि ॥ भुषा भुरवेव भुजले यष्टः भा भुरभुजल ॥ भाभा भौरै भाव
लिलता ॥ रैभरणिद्रुपि वल्ली ॥ उभा सुलवलं एलणं रं जंगडवि
धः ॥ विरवलभिडिक्कमिदुः ॥ विरं भुकीयं भावलं उमेव ॥ भामलव
नभावलभावपेष्टेहभरः ॥ उषा उं भुभमरः कं भुभुतेणैरुतुं उवदः ॥ ५३

कपः

पाये भक्तुं भक्तुल य॥ भुषा गते कं भ पट्टः कि भट्ट रिद मसी य॥ लील
 गं श्री भक्ति गं॥ उषा गिरिम रय र र भा रक्तु पायः भिदुं क र ली कु
 उं विल स र भिदुं कः॥ १३॥ उं वि भन की ल भु भु र उ ए क र ल ल भ षा ध र
 भक्तु उ व ठ व लि प म र क भु द उ ड व॥ गिरं उ भ पट्ट भु द ए उ उ ए नी ती र उ
 क ल॥ भ भा व भु भु भु क व उ उ म लं मेल उ र य॥ १७॥ दे मेल उ र य॥ उ
 व भ पट्ट भु उ म लं क व उ॥ की म म भु वि भन की ल भु भु क र उ र म भु र
 पि भु र उ ए क र ल उ म ठ ग क र ल॥ ल भ षा धः ल म प क भु॥ भु र उ ए व र
 भक्तु उः॥ क र भ दि ल्ल उ॥ वि र दे ल र भु र उ व प ध र ठ व लि प ध म र क

श्रीः
 भो क
 उ०

उरकुवकचुधे ॥ विलयभमरुठझइउंगहिउं ॥ इवलिलवलीव
 लिनिः ॥ उभनिइपुगोपठिलवलीभंझठिलउठिउझभिरेइऊः ॥ वि
 झपठे ॥ कउयः उमोकरककलमठे ॥ उमउवीएप्रलउभुझयभभे
 भमदेऊ ॥ एउउउरकुवणीवेनउरसुगीरंऊरमूर्ययभुतेन ॥ सुव ॥ भनर
 निमिष्टभनउपप्रकगउये ॥ इवलिवल्लीठिगिवडिणरं ॥ भनभीति
 मेधः एउभिइऊः ॥ किभऊंठझंममवलये ॥ उइवभभुझभाइरंइउं
 मेवेवदइभीतिमेवि ॥ उमउंरपंभकलिङ्ग ॥ मषवउरकुवभुमगीरं
 इवेनवद ॥ वलयेभंयऊं ॥ मेविभकलमेवमयभिइऊः ॥ ॥ उंउरु

श्रीः
 भो नः
 उ

श्रीः

इंविभुगं किं विगपतिः पाचति रि ए त्रिउभुगं किं इव विदरं उपे
विगपे ॥ सुउभु विभुले गुमरय भजे धं वभभंती रिउभुप्रागुः सु
गयतिल प्रइरयति ॥ ३० ॥ दे पाचति किं विगपति दि भालयः ॥ रि
इकीय विगं व क एक प्रमे स सु रु इं विभुगं भाकि इ प प रु इ ॥ इयि
रु इ ॥ दरं उपे विवद भभये भो दायिकं ॥ ये उ क उपे रिगपे
रिमे मिउ व ना ॥ विवद मिषय मे यं भमये दरं सुउमि इ भरः ॥ सुउदे
उभुरि उभुप्रागु रेण प्यरुः ॥ प्रागु र सुव रु सुउय उ उ भभभक
उति विः ॥ विभुले गुम जे र व माली ॥ सुमे धं भचं वभभंती प प्णी भु

श्री
मोक्ष
उ

गयति सुकृमयति॥ लप्पुहं लप्पवतं लप्पवणं गतं इयति प्रपयती
इयः॥ विष्णुपदो॥ गुरुहं कीमं॥ पवतं मुमं पवति॥ उमं रं रं मं
कं॥ इय गुरुहं विमणे॥ देदगडुप॥ दगं॥ भनैदगिडुपं यमुः॥ भ
दगं॥ डुपलक्ष्मी॥ उमु॥ उरं॥ उरः॥ वनीयरकगयेः॥ नैधेदमः॥ उ
उववभरअडः॥ मेधं॥ मभरभा॥ ३०॥ छेकरीडु॥ अमुअ॥ कृरक
मलीक॥ अपलभरहं॥ अमहं॥ मरयमपिरिल्लिहं॥ वगी॥ अरुड
हं॥ पडुः॥ पू॥ डिक॥ निरहं॥ गिरिभुत॥ विणिगु॥ एवहं॥ विवणक॥ रिउम
इयमपि॥ ॥ देगिरिभुत॥ उरहं॥ अमहं॥ करीडु॥ अमैवडमीनं

सुभा दभुभा ॥ उष करक कमला अलरभ ॥ उष्टः क'दुपए लीभु
 भुभभद भुमिइठ हं अमह भुभयं रिलिह ॥ भुचड हं मेरुप क
 इल वडुल हं ॥ पदभद मधुपुलि डिभिः ॥ कठिर हं एत्र हं विव
 एकगिऊ भुभयभपि ॥ चगव भभुक युगल भपि ॥ रुवगी हउ विणि
 गुणि उवगी हउः ॥ विष्णुपदो ॥ गिरिभठयः ॥ उः कभेव छिउ ॥ रंल
 दूरीः भंपडिच यभ्रग ॥ देगिरिभ्रउ ॥ रुवठिदयि विह भ'र'य ॥ रंल
 दूरीः मेठ ॥ उठयभधुं रिलिह ॥ विवण कगिऊ भुभयभपि ॥ विणि
 हउ उठयः ॥ ३३ ॥ ॥ उष्टपगले उं म'द' विउ मग हं गिरिभ्रउ विव

ॐ नमो भगवते विष्णुभक्त्युत्तमैः ॥ यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः
 पद्मयगलीनापगुरुद्वयः भगभक्त्युत्तमैः ॥ १ ॥ देवि
 विभक्त्युत्तमैः ॥ यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः ॥ २ ॥ देवि
 मम गुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः ॥ ३ ॥ देवि
 यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः ॥ ४ ॥ देवि
 यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः ॥ ५ ॥ देवि
 यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः ॥ ६ ॥ देवि
 यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः ॥ ७ ॥ देवि
 यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः ॥ ८ ॥ देवि
 यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः ॥ ९ ॥ देवि
 यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः ॥ १० ॥ देवि

श्री
 मे
 ३७

ॐ॥ नमः शिवाय॥ भद्रं कुरु सर्वभूतैः॥ ॐ नमः शिवाय॥
 देवसिद्धिः॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥
 ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥
 ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥
 ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥
 ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥
 ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥
 ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः शिवाय॥

दवकमभदग॥सम॥रजैदगमिवसुप्रमभन्॥सुअगइउमु
 नमिहुतिगिहजः॥३॥॥उदिभरीदउहंदिभगिउएकउिममि
 गेनिमयंविह॥निमिमपगठगमविधम॥परंलक्ष्मीपइमिय
 मठिभंएउंमभावेनंमगंएहइमंएनविदमउमिहउमिंदकभा
 देणरमि॥इहमंमभगुगुंमभद॥उरगुंमगंएदमउउति॥
 किंमिहंरकिमपीहजः॥कीरुमंदिभरीदउहं॥उदिरमभदररपु
 कउिउवपग॥उदिरगिरेमुएरुउंकएकमपुगपिनमिगे॥म
 उपदउमेक॥मगंएनिमयंरइविह॥मदिउ॥पमंउनिमिरइ

श्री
 भो
 ०

पगठगेदिरेमममिगैभूमैरु॥ पगठगेनेतिप०॥ गइ पगठगेरवि
 रुद्रकतिमंभनै॥ भूमैरु॥ भगैणभृगइभुभिवद्रलइरभृम
 इभृगयै॥ भदणयलछुपलकतिमभृभृदिमद्रकतिइ
 पगठगैठवे॥ इजइयमंभनै॥ नमिगिइहिएरग॥ उवभगैण पग
 केवलं॥ लछुः प्रियः पइभवाभृतिभृं॥ रउउभृमनेरुगभम
 गंइइइउ॥ भभयिरंइइभृजिभनप्रविभृं॥ प्रियभेसुदंभृणउ
 दिमउविइः॥ ३५॥ छैरभेवहंभृभेवयरभभीयपंमयै
 उवभृइयभृटनमिगभलककवउ॥ अअभृइइइयमहिद

नरयभूदयउ॥ पशुनभीमनः प्रभमवतकहे लिउगवे॥ उवभ्रे
 पययेः इय॥ नभेवतं नभभूगवमंरुभममः॥ कीममयन
 यराभलीययवेमनरमएनकय॥ उवभ्रे ८मिगभलजक
 वउ॥ भूएनमिगभेकडिइवो॥ यभुतममेमलजकवउ यम
 ठिदरनभययेयमिदउर॥ भुठिदरनभमेकमएयउ॥
 सुभुतमुधवनिडिवमन॥ मेदमहुपंतन॥ उभ्रेभूदयउ॥
 भूदंजवउ॥ प्रभमवनलीलेइरं॥ उइयः कहेलिउनममेकवव
 भुभ्रेकहेलिः कभकलिः भूममेकगजप्रभकडिनिभः॥ प्र

श्री
 भू
 ००

पञ्चरत्नैर्वरंभीमानः मिवः मृदुभूमयतिभङ्गदंकरौति॥ इत्य
म्भसंभाषेकषमहेरपिलहउउहमवेनेतिठवः॥ ३७॥ छं
मधंज्ञवगैडस्वन्नभषवैलहन्नभिउं॥ ललहउउंमगंयग
लेउउयडिउं॥ मिगयउः मल्लुमदनदउभउलेउवउउलकै
कालैः किलिकिलिउभीमन्नगिप्र॥ ३८॥ उउवमगं कभले
ठउगंमिवंललाटउदयडिभठि॥ उलकैटिकालैः उपगमनि
ठिगीमन्नगिप्रकभेन॥ किलिकिलिउं॥ मोदेगालिउंणिउ
मइवदुमुप्रडिह्यपरलीदउः॥ भिंदमुमलिउंभिंदनपकि

लकिलेतिविश्वः॥ इ इरं कीरुमं॥ भव भिष्टेव गेइ त्वलेनं इ म
 तुभीलं व भगुदं र ह॥ अष रतुगं वे लुहं ल ल ह कुल
 नमभिउं र भु भीमं इ पिपु कीरु मर॥ मि म्भु कुल भर ह॥
 म्भु रं ह॥ मि वलं ए ले म र, रल मं प मिउं॥ म लुं हः प म्भु
 लिउवउं म्भु कुवउं॥ अं मु लिउवउं डिपु०॥ अ वि प्रुवउः॥ प्र व
 वर सु विष्ट डि मि प्रियं कुवउं हः॥ वि प्रु प ह॥ म र वृ ग म
 ल वृ ल॥ ले मि म्भु ल ह र ग कु डि॥ डि ल ले वि प्रु मु म्भु ह प म
 डि ल ल॥ रं रं रं मु उ व॥ रं म र मिपु ह र र॥ दै म्भु ल

श्री
 मं
 १३

सुउति भभेपव॥ केटि न॥ केटि मदे॥ किलि किलि
 गलिउं॥ ललाट रुडुगं॥ कीम सं त्वल रं भुभ न शु सु वर डुप
 ह गिर शुभ भि सु पग पं भ ध न ह॥ उव य भ भ गण र रु व जी ह मि
 र म र र ल प ग ण ढा डि न ह॥ म ष र डुगं॥ द ल ढा ह र भ भ
 व क णि र ह म य णि प्प उ र उ व म र॥ मि उ के प ह पि उ भि उ
 वि ध म वि क र॥ न भि उ न प् पि उ भि ह र॥ अ इ प्र च॥ ह गुः
 इं द्र वि क न म् न्भ भै कः सु पु उ डि॥ एि ह्म सु वुं द्म न रिं
 प्र ह॥ म प्र भ॥ प्र॥ म द्म रि क पं ग उ सु रा लि गि डु भ र वः

पञ्चमः
 मन्त्रः
 क

श्री.
मं.
७३

तममममिभापः म्मममममभीरभयलिङ्गरीयउतिउत्रि
ममकगैग॥इमुलेरमममपि॥दउवैऊलकुमममपु
मुविमुवदामि॥मममपुममम॥उममगावउमममम
ममकगै॥मममयवदामिउपेमुकुलमुउव॥पममममम
मःपमपणरयिहमीतिमुमिभमय॥उमममेवकममम
उउतिहमवउमवपिकममममुतिपेगलि कीकष॥७१॥
तिपमंउकत्रीरंपपममपमंमेविविपमंकषरीउममिःक
रकमगीकमगउलमा॥कषवदमुहमपयममकले गठिम

यममयतुमुंमधिमयमनेरसुनम॥॥॥देमोमिउवपम
मंमपुपमंमं॥विपममपमममं॥कठिनयकमनीकसु
पीउमयमपुपलंउतुलंमं॥मदिःकषंरीउंप्रमम
तुउकैमलइमिहृः॥सुकेमलइमंपरयनकलेविरुद
ममये॥मयमनेरमययुजेरमनमकरमुते॥प्रगठिमम
वेनरद्रहममय॥मधिमिवदकमपमिउपधल॥उमुप
गिपमंकषंउमुमिहृः॥विष्णुपदोदेवसुभिवमतीति॥म
वि॥कलमवमयमितिप्रपमविममल॥मधिमिउमिंद

श्री
भक्त
दत्त

नमः क प्रय विष्ट जी भक्त उ व म ग वि ले ए न ए ले म ग
 दाल न गाल क म क भि क ले पि वे यं की म म क लि उ
 न्द्रु तः प दाल न वे ल यं अ ल क क र म र भि म्भु त ॥ प द क
 भु ठ व उ च व ॥ २ ॥ भं व उ भ म क रं क वि उ यः क ह भु क
 न्द्रु त उ य ॥ य दाल न व ट म्भु र भु ट ॥ भा प क भ ल उ दाल
 म उं उ क्क म्भु म्भु प उ न्द्रु ति ॥ व नी क डी भा प क भ ल उ दाल
 र म उं क ल र म उं ॥ व म र क भ ल उ दाल र ग म्भु म्भु प उ क री गी उं
 क उ ति क मि ॥ ७ ॥ छिं भं म्भु म्भु री प रि म य भि व ल न्द्रु म

五

ध्वित्री मग्न परिमयः ॥ मंदगुगुं कं तुमनेयेपं उतेषः ॥

धूमिकरं यमहृष्टं ॥ इन्द्रं पद्मं उग्रं तीक्ष्णः ॥

पिहमकमदुस्तर॥ मरुतुमुभमयतुएरुतुहृ॥ सु

रुद्रसूक्तमष्टादशोऽध्यायः ॥ अविष्कृत्यै निविष्टं तदुपैव द्रुष्टं

उत्तिमामिवाभमहा ॥ कीममेमाममतेमेवमनकुप

सौकनमरिउयुक्ते॥ कवशीयद्वेभभेएरंयमभिमभा॥ अष्टकग

मैसुरभभृम्भीतिभृगः रंश्वरः॥ भाँवमृल्लकंतीतिभल्ल

॥ टिलेपूरें रुहया तुमि ममा ॥ गणी वेसुग ये म येग लि कं हं

श्री-

सुभरवटिकयं ठरमेवी विभसु वटिकयं अरुजलामे
 वी भसु वटिकयं भुतु ठरमेवः मसिके यय कय यं
 नराषः मसुगपगिणयं मसुनराषः भयपम एह चत्रप्रल
 मिनुभलि गदभ गदुगसुनठदुगिक मिनुभलि गदहउर
 कयकमेसुगः पद्ववदभदभद्वणगभु क्रीरा अधिक
 मिनुभलि गदगण गिउ भदमभुनराषः मिनुभलि गदप्र
 वदुगः भभउसुग उलिपिकपी ० श्रीः मिनुभलि गदगण
 प्रवेउरभलि पिपुभनुमरुभउझी उमुवमदि लठगेभी लि

मोरु
 ७७

कुरेपुषः प्रविभगु यज ॥ सुगैल्लभानं मे ॥ श्रीक ॥
 उडिविष्टः ॥ चवंसभैमदेसभ ॥ कन ॥ १८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 वल्लकमिद्विचमरीय एगकुवरं इडंगदि उं रायडी इ ॥ ७७
 उंपगगउरकु ॥ उमभमिउरु सु ॥ येभपदमदम उल्लक
 उमभमल ॥ उषायेउमी ॥ मउभापभापः मिदिभापि ॥ उवउ
 गेपउमिउठिग ॥ माहुठिगभगः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 पंगपुणरभदिधीमिठवमि उउदेउ ॥ उल्लक ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 यं ॥ उवम ॥

श्री.
 ७७

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ॐ श्री गुरुभ्यो नमः

इहं पुडिदलनभम उविकमं निरुद्धं मण्डपय
 पदं नदभिव ॥ २ ॥ अयं नैकः होपकः ॥ तैकं कलक कभुगीगा
 रिकगविभुं एलभयंकल'ठिः कयुरैअरकउकर'अं निविदि
 उभा ॥ अउभुद्धं गनपुडिदिनभिमं गिज्जुदगं विणिः कुयं कुयं ॥
 निविदयुडिन्नं उरुदउ ॥ कल'ठि'ल'उरं कभुगीगा एनिकयानि
 भुं यद्धम'ठलं ॥ एलभयं एल'अ'प ॥ भउच'भ'भ'कउकर'अं ॥
 अडिगगीरभु'एल'अ ॥ दगिद'प'ल'विः ॥ कल'ठि'अ'म'भ'पु
 र'व'क'युरैः ॥ ५ ॥ म'पि'अः ॥ निविदिउं ठ'गि'अ ॥ द'अ'प'अ ॥ इ'अ'न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पिकु कुदगं मुट हतुग निगउं ॥ विणि कुड
उ भुल कर ॥ दली कुह ॥ इ कु गन मेह म'र ॥ कु ये कु यः पू ॥
मुला पदां ॥ कल' उग क दगप ॥ म' म' य ॥ उ व न उ इ म उं नि वि द
या ॥ प्र न य उं इ रु म प दा म' प' ग' ॥ व मु उ मु क ल ह म' कु मि
॥ वि म म' कु पं ॥ क ल ह ह पं व म' ये ॥ उ म' व क मु गी व' म' र' र'
म' व' म' र' व' म' र' य' ॥ म' उ' म' व' ॥ म' र' उ' ग' ॥ म' व' मि डि प्र म' ह' ग' ॥
इ म' कु ये गि री ह म' य ॥ कु ह' न' ॥ इ म' न' उ' डि म' प्र म' म' वि म'
प' क' म' प' ग' म' र' व' ॥ इ म' र' उ' ल' द' गी य' उ' ग' ॥ प्र म' उं वि म' ल' द' गी म' र' म'

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ਮੁਹਿਰਯਨ ਮਮ ਮਿੰਡੁ ਯਤ ਮਦ ਮੰਬਤ ਧਿਰਿ ਰਸ ਧਰਿ ਸੀ ਗਾਨ ਵਿ
 ਧਿ ਮਾ ॥ ਦੇ ਨਿਠੇ ॥ ਤਰ ਬੁਧੇ ਦੇ ਧੁ ਤਾ ਨਿ ਸੁ ਧੁ ਗੀ ਰਿੰਡੁ ਨਿ ॥ ੫੫ ॥ ਨਿਧਿ
 ਰੁਪ ਨਿਗਿ ਮਾ ਮਿ ਨਿ ਰਵਰੁ ਧੁ ਤਾ ਨਿ ॥ ਗਠਿ ਤੇ ਨਿਰੁ ਹੁੰ ਮੇਰੁ ਮਾਨੁ
 ੬ ॥ ਮਦ ਮਿ ਠੇ ਮੇਰੁ ਧੋਰੁ ਵਧਤਿ ॥ ਇਰਯਨ ਮੁ ਮਿ ਮੁ ਮਮ ਮਿ ਮੇਰੁ ਦੁ
 ੭ ॥ ਧੁ ਤਾ ॥ ੮ ॥ ਵਰੁ ਮਾ ਮੁ ਤਾ ਮੁ ॥ ਮਦ ਮੰਬਤ ਧਿ ਧੁ ਰਵ ਧਿ ॥ ਸੀ
 ਗਾਨ ਵਿ ਧਿ ਰਸ ਧਰਿ ਤਿ ॥ ਕਿ ਮਾ ਸੁਰੰਗ ਸੁਰਾ ਮੰਡਨ ॥ ੧ ॥ ਤੁਰੁ ਤੁਰੁ
 ਧਿ ਮਤ ॥ ੨ ॥ ਧੁ ਧੁ ਧੁ ਤੁਰੁ ਧੁ ਨਿ ॥ ਕਿ ਮਾ ਮਿ ਨਿ ॥ ਸੁਰੁ ਤੁਰੁ ਮ
 ਮਿ ਨਿ ਰਵਰੁ ਧੁ ਮੇਰੁ ਵਧਤਿ ॥ ੩ ॥ ਧੁ ਤੁਰੁ ਧੁ ਤੁਰੁ ਮਾ ॥

੦੭

क म न्न उ र ग्नि इ द्वा प उ प स डु म प्र ध व ल मा थ भा ॥ घ नि
भ मि ठि र क उं भ य णै र द मि डे न वि ष व ये ठ व नी भा ॥ वि ।
प्र प ह्यो ॥ उ म ऊं कू भ मी पि क यं ॥ डि एं ठि द्वा क डि ... मि रे मे
न ट उ न यः ॥ अ यं कू इ ठि र भ ट डि वि र द गो प मु रु स भ ॥ घ भ
मे उं ठिः के क नि च लि उ ड अ रि ति कि रु पि द्वा र हृ डे र न व र
ठि द्वा भ ल क ॥ ७ ॥ उं भ म रु कु ल सु न र भ म च म द मि उ
क ए द्वा क म नः क डि म र क म ह डि वि प ॥ द र मु ड्ड क डि म न मि
र म भ म म न क व ड ये ठ कः थ रि डि र भी ध मि प म ॥ ८ ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

छगिरभ'द्रजेवी'इदि' गदि' नीभ'गभविमि'दोः पंड़ीपम
 दंगभदमगीभ'द्विउरय'भा॥ उगी'प'पि'दं'म'गिगभविमि'मीम
 भदिभ'भदभ'येवि'म'रु'भ'का'भि'प'ग'व'द'भ'दि'पि॥ दे'प'ग'व'द'
 भ'दि'पि'भ'दे'स'प'डि॥ भ'द'भ'ये'म'र'ह'वि'ह'॥ इ'द'~: पंड़ी
 गिरं'द'वी'भ'ग'भ'उ'इ'भ'द'॥ ग'म'दि'म'द'गे'प'प'॥ पंड़ी'ल'द'॥
 द'ग'भ'मि'व'भ'॥ प'मि'~'दि'भ'ल'य'प'डी'भ'उ'॥ भ'उ'भ'द'॥ व'क'
 भ'रि'व'म'री'य'उ'गी'य'भ'ग'भ'ह'मि'इ'य'डि'पि'क'॥ म'ग'भ'म'ल'य'
 नि'म'मी'भ'प'द'उ'भ'दि'भ'प'ठ'व'य'भ'॥ वि'म'प'॥ ए'उ'भ'भ'

ॐ॥ शुकीयदरकुपप्रदुखदमिवादिभुमकुं कभीहृः॥ विष्णुप
द॥ देभदभयभदभय॥ जंनद्वीरमुहृः॥ परादुधदिठिभि
जोपः॥ इंभगंतीलह्वीठवरीमगभविदेवमति॥ श्रीकुपेपिद्वम
वहृः॥ वगुगहृकपिदगणिगभविश्रीभमदिम॥ उगीवहृरु
युमप्रपुव॥ सुतिविश्वभ॥ इंविश्वरागहृमयाभिररुहृम
चयभि॥ कीमसंरा॥ इग॥ वृद्धेवमदिदेवदरुभण॥ उपण
करंयमुहृ॥ यगदुभदिधि॥ मदिधवदरुहृमंभगकुपवल्
गहृ॥ यमभगमंठयंयकहृमुहृ॥ ००॥ ॥ ॥ इंभरमुहृ

विनी

विणिद रिभपं विदगते ॥ गतेः पातिवृहं मिषिलयतिगमु
प्रध ॥ मिगं एणीवत्रेव वरुपिउपमुपमहडिकरः परवृद्धमिह
रभयतिगमं वरुणं वर ॥ इह वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं
पहडिउपम ॥ विहयलहृ एनमभ्रदेन ॥ विदगते श्रीकृष्ण ॥ वि
नेहृद्वल ॥ नरेविहृ भपइभ्रभपपश्रीक ॥ नमु मेठनरवप
भमगीरे ॥ गतेः कभपडुः पातिवृहं मिषिलयति प्रगीकगेति
मिगं एणीवत्रेव वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं
इपिउपम ॥ पमुपमपपश्रीकलइमीनं वडिकरभ्रभ्रमे

ॐ नमः
०३

निणीयउएगमभृभिडिनिणि॥डेनरिणेएगमपयकुउडडङ्गः
निहभरेकिहभिउलेभइमने॥एणीव'रं'भिष्ट'कुउएगमवेमरि
गीहलंभिउक'गलं॥रत्रएगमपयउ'मगीरभृभिउयेगस्र॥म
गीरि'प'प'ग'द'ग'विम'कु'क'ष'भ'क'॥इ'व'वे'ह'उ'मु'द'॥निभि'कु'उ
लं'ठ'ऊ'र'ग'द'य'॥र'र'कु'प'ग'उ'वि'कु'र'॥म'च'भ'प'प'ह'उ'॥
उ'व'व'ठ'व'॥र'य'मि'ठ'ऊ'र'ग'द'य'म'गी'र'मि'प'रि'ग'द'॥उ'कु'ष'क'
प्रि'ए'ए'क'प्रि'उ'प'भृ'इ'मि'॥ठ'ऊ'प'उ'ग'उ'भृ'भि'उ'उ'मु'द'॥सी'मि'नि
प'ल'ठ'ऊ'र'उ'ठ'ल'म'भ'द'॥उ'द्वि'क'अ'प'ग'उ'इ'ह'भ'द'॥रि'ग'व'ह'

ॐ॥ रिग्वसुं ऊर्वा प्रुतिदत्तं॥ रिग्व्याउ हरे रिग्व्याउ मप्रुतिदत्तं॥
 अं॥ रणीरं॥ हरे मत्रगुदययधुः॥ रत्रधुउ हूपि कर्मिदिददल
 मद्रुहभा॥ उवेति कषं वैधधुमउ सुद॥ रियमप गमिउ क रियेन
 एपयुऊरं रियमप गमिउ मइ भिउ॥ उदि रियमप गउ ह मवंग
 उमउ सुद॥ रियेह रिमऊ रियम मिणउ मधु स्येदा॥ पउ मधु
 मयिकिं प्रमं मउ सुद॥ रिपिल रिगमउ॥ म कलवेमउ
 वमुतिपम रियधुः मं मववेमउ प्रह मवपुतिप हउ ति मव॥
 मुतिपमे उतिप ०॥ वेमउः मुउपमं म यधु उहउ॥ के

श्री
 मं॥
 ००

पूकगे सुउपमऽ हउ सुद॥ निगउहे॥ निनउ सुउहे व नू एरमी
उिदभा म॥ रिहे कल इयंगये मम पीमं सुउिं निगमय निगमी
ऊम॥ उऊगं औइऊ निम॥ वेम भिवम वं मं प्रउिधत्रं उ विहऊः॥ ०७
हं प्रमी पदल निद्रिव मकर गीग रा विणिः मणभ्रउ म्मं पलरा
ललवैः पाहु प्पटर॥ मकी येर मे कि म्मलिल रिणि मे दिहक
र॥ इमीय दिवंगि सुवरा र निव मं सुउि रि यमा॥ देव
मं एर निम इक उ प इमीय दिग व वाणिः॥ उर सुउि रि यं न
म इ निमिहऊः॥ यम प्रमी पदल निद्रिव मकर सुमद सु श्री

五
五
〇〇

॥ सौन्दर्य लहर सरी ज्योति

(रामचन्द्र (टीका व्यासः)

Acco No →

50908

मंभये ॥ ७यं हृमीया किरेव वगि रउदा भित्तया हृयेवरि मिउ ॥
भम्भाण विभ्रम भम्भुमेउष्टः ॥ ०७ ॥ अजंभमीय भवल्ले
उजोपि भभृगज्जुंभभणिगधुर निहृमेउता ॥ अहउमन भउर
पविभम्लउतः स्नापुठवत्रिक वयः परतः प्रयउतः ॥ ०८ ॥ रंणे
उनंशा न निहृउण न मनेन वेज्जु न पपिउ पिउउउउ ॥ भउ
हृव निहृउव लिउषा पिक उ म उ कि उ भु मयि उ क न ॥ क
एवः ॥ ०५ ॥ ॥ ७ उति मम उ विग मिउ मे हृदल दगी टीक मं प्रल ॥
हृम वं ठवी उ म ॥ मं ५ पे इवति ॥ र विव भगो माइउ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

